वर्ष-12 , अंक-38 प्रयागराज, रविवार 22 सितम्बर 2024 से शनिवार 28 सितम्बर 2024 तक — पृष्ठ- 8 मूल्यः 3 रूपये

T M

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

हिन्दी साप्ताहिक

Download From Google Play Adhunik Samachar

आधुनिक समाचार नेटवर्क

नगर संस्करण 12 वर्ष विश्वास के

यूपीआईटीएस 2024 में पार्टनर कंट्री 'वियतनाम' लाएगा व्यापार, संस्कृति और व्यंजनों की सौगात

(आधुनि समाचार नेटर्वक)

नोएडा। दूसरा उत्तर प्रदेश अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला जो उत्तर प्रदेश सरकार और इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जा रहा है, 25 से 29 सितंबर 2024 तक ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश के इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में आयोजित किया जाएगा। इस भव्य कार्यक्रम का उद्देश्य राज्य के व्यापार, वाणिज्य और संस्कृति को प्रदर्शित करना है। लेकिन इस बार यह आयोजन न केवल उत्तर प्रदेश की जीवंतता और रंगों को उजागर करेगा, बल्कि इस साल के संस्करण में वियतनाम, जो कि साझेदार देश के रूप में शामिल हुआ है, की संस्कृति और व्यापारिक क्षमताओं को भी प्रस्तुत करेगा। वियतनाम की भागीदारी यूपीआईटीएस 2024 के प्रमुख आकर्षणों में से एक है, जो भारत और वियतनाम के बीच बढ़ते संबंधों को उजागर करेगी। भारत में वियतनाम के राजदूत, महामहिम गुयेन थान है, इस आयोजन में सम्मिलित होने वाले विशिष्ट अतिथियों में से एक होंगे। राजदूत गुयेन थान है, ने इंडिया एक्सपोजिशन मार्ट लिमिटेड (आईईएमएल) के अध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार के साथ चर्चा के दौरान द्वितीय उत्तर प्रदेश अंतर्राष्ट्रीय व्यापार शो का हिस्सा बनने पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने तमिलनाडु और अन्य राज्यों में वियतनाम के निवेश को रेखांकित किया और उत्तर प्रदेश में नए अवसरों की खोज करने की इच्छा जताई। यह रणनीतिक साझेदारी दोनों क्षेत्रों के बीच व्यापारिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के दरवाजे खोलेगी, जिससे द्विपक्षीय संबंध मजबूत होंगे। बैठकों की श्रृंखला में

एक बैठक 17 सितंबर 2024 को आयोजित की गई जिसमें गौतम बुद्ध नगर के जिलाधिकारी (आईएएस) श्री मनीष कुमार वर्मा ने में उपराष्ट्रपति, श्री जगदीप धनखड़ के दौरे की तैयारियों को लेकर संगठन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा की। इस बैठक में वियतनाम की साझेदार देश के रूप में भागीदारी पर भी संक्षिप्त चर्चा की गई। डॉ. राकेश कुमार ने वियतनाम की भागीदारी पर जानकारी साझा करते हुए कहा कि भारत और वियतनाम के बीच गहरे सांस्कृतिक और सभ्यतागत संबंध है, जो सदियों से आपसी आदान-प्रदान से समृद्ध हुए हैं। भारतीय बौद्ध आचार्यों ने दूसरी शताब्दी ईस्वी में वियतनाम में भगवान बुद्ध की शिक्षाओं को प्रस्तुत किया, जिससे दोनों देशों के बीच एक स्थायी आध्यात्मिक संबंध की शुरुआत हुई। उन्होंने आगे कहा कि उत्तर प्रदेश, जो बौद्ध धर्म का जन्मस्थान है और बौद्धों के लिए एक पवित्र स्थल है, धार्मिक पर्यटन के क्षेत्र में अपार संभावनाओं का प्रमुख केंद्र है। 2024 में राज्य भागीदार के रूप में, वियतनाम एक विशेष वियतनाम-भारत फोरम और यूपी-वियतनाम टूरिज्म कॉन्क्लेव का आयोजन करेगा, जिससे विशेष रूप से पर्यटन क्षेत्र में आर्थिक और व्यापारिक संबंधों को और मजबूत किया जा सके। साथ ही डॉ. राकेश कुमार ने कहा, उत्तर प्रदेश के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे वियतनाम के विमानन प्रदर्शकों के लिए एक नई संभावना प्रस्तुत करेंगे, जो पहले से ही उड़ानों को बढ़ाने और एक समर्पित बौद्ध पर्यटन सर्किट विकसित करने की योजना बना रहे है, जिससे दोनों देशों के बीच कनेक्टिविटी में वृद्धि होगी और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा मिलेगा। व्यापार शो में वियतनाम की उपस्थिति अद्वितीय होगी। दर्शकों को वियतनाम की समृद्ध धरोहर, संगीत और पारंपरिक नृत्यों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आनंद लेने का अवसर मिलेगा। ये प्रदर्शन भारतीय दर्शकों को वियतनाम की कलात्मक विरासत की सुंदरता और गहराई से परिचित कराएंगे, जो इस आयोजन में एक जीवंत अंतरराष्ट्रीय आयाम जोड़ेंगे। सांस्कृतिक कार्यक्रम एक अविस्मरणीय अनुभव बनाएगा, जो वियतनाम के विविध सांस्कृतिक परिदृश्य में परंपरा और आधुनिकता का मिश्रण प्रस्तुत करेगा। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ-साथ वियतनाम अपने स्थानीय व्यंजनों की एक श्रृंखला भी प्रस्तुत करेगा, जिससे प्रतिभागियों को वियतनाम के प्रसिद्ध भोजन का स्वाद चखने का मौका मिलेगा। अपने बारीक स्वाद संतुलन के लिए प्रसिद्ध, वियतनामी भोजन जैसे फो, स्प्रिंग रोल्स, बन्ह मी और अन्य स्वादिष्ट व्यंजन यहां उपलब्ध होंगे। यह पाक प्रदर्शन वियतनाम की खान-पान परंपराओं से रूबरू होने का अवसर प्रदान करेगा। यह सहयोग केवल संस्कृति तक सीमित नहीं है; वियतनाम विभिन्न क्षेत्रों में अपनी उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों को भी प्रदर्शित करेगा, जिससे उपस्थित लोगों को देश की नवाचारी उत्पादन क्षमताओं का अनुभव मिलेगा। इसके अलावा, वस्त्र निर्माण की सर्वश्रेष्ठ प्रक्रियाएं भी वियतनाम के पवेलियन में प्रदर्शित की जाएंगी। वियतनाम की विभिन्न क्षेत्रों में मजबूत उपस्थिति के साथ, यह व्यापार मेला उत्तर प्रदेश और उससे आगे के व्यवसायों के लिए साझेदारी और निवेश के अवसरों के द्वार खोलेगा। यूपीआईटीएस 2024 में पार्टनर कंट्री के रूप में वियतनाम की भागीदारी भारत और वियतनाम के बीच व्यापारिक और सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह भव्य आयोजन न केवल उत्तर प्रदेश की व्यापारिक और सांस्कृतिक क्षमता को प्रदर्शित करेगा, बल्कि वियतनाम के वैश्विक अर्थव्यवस्था में योगदान और उसकी समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को भी प्रदर्शित करेगा। प्रतिभागियों को दो संस्कृतियों के मिलन और उससे उत्पन्न व्यापारिक संभावनाओं का दुर्लभ अवसर मिलेगा

भारत एक उभरती हुई विशाल अर्थव्यवस्था, बन रही वैश्विक ताकत', आयरलैंड के राजदूत का बयान

(आधुनि समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। भारत की एशिया-प्रशांत क्षेत्र में भूमिका पर आयरलैंड के राजदूत ने कहा कि भारत इस क्षेत्र का एक नेता है और इसकी ताकत

बढ़ती जा रही है। उन्होंने कहा, भारत न केवल इस क्षेत्र में बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, खासतौर पर संयुक्त राष्ट्र में।आयरलैंड के राजदूत केविन केली ने हाल ही में एक बयान में भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था और वैश्विक मंच पर उसकी बढ़ती प्रतिष्ठा पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारत जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। केली ने दोनों देशों के बीच राजनीतिक, आर्थिक और व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। समाचार एजेंसी एएनआई से बातचीत में केली ने कहा, भारत एक विशाल देश और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। 1973 में यूरोपीय संघ (ईयू) में शामिल होने के समय हमारा देश सबसे गरीब था। लेकिन 2024 में हमारा देश यूरोप के सबसे धनी देशों में से एक है। उन्होंने सुझाव दिया कि भारत और आयरलैंड को एक संयुक्त आर्थिक आयोग स्थापित करना चाहिए, ताकि दोनों सरकारें साझेदारी और सहयोग के अवसरों पर चर्चा कर सकें। आयरलैंड की एशिया क्षेत्र की रणनीति पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि आयरलैंड अब भारत के साथ मजबूत राजनीतिक, आर्थिक और व्यापारिक संबंधित स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। पहले हमारा फोकस खासतौर पर चीन पर था। लेकिन, अब हम समझते हैं कि भारत के साथ मिलकर बहुत कुछ किया जा सकता है। भारत की एशिया-प्रशांत क्षेत्र में भूमिका पर राजदूत ने कहा कि भारत इस क्षेत्र का एक नेता है और इसकी ताकत बढ़ती जा रही है। उन्होंने कहा, भारत न केवल इस क्षेत्र में बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, खासतौर पर संयुक्त राष्ट्र में। इसके अलावा, केली ने आयरलैंड में भारतीय समुदाय के योगदान का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि भारतीय समुदाय अब आयरलैंड में तीसरा सबसे बड़ा विदेशी नागरिक समूह है, जिनकी आबादी करीब एक लाख है। भारतीय आयरलैंड में बहुत सम्मानित हैं, क्योंकि वे हमारे समाज, अर्थव्यवस्था और संस्कृति में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। हालांकि, 2022 में अधिकांश भारतीय डबलिन और मीथ काउंटियों में रहते थे, लेकिन कोर्क, लिमेरिक और गैलवे में भी उनकी महत्वपूर्ण संख्या है।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

कम्प्यूटर ऑपरेटर एण्ड प्रोग्रामिंग असिस्टेंट (COPA)

COPA कोर्स सभी प्रकार की नौकरियों जैसे-

पुलिस विभाग (कम्प्यूटर आपरेटर)

रक्षा मंत्रालय (DRDO) भारत सरकार मुद्रण विभाग, राजकीय आई.टी.आई. इंस्ट्रक्टर, स्वास्थ्य विभाग और सभी सरकारी विभागों, बैंक / प्रतिष्ठानों के लिए मान्य यह प्रमाणप्रत्र O-Level के समकक्ष है।

विशेष - ये कोर्स रेलवे द्वारा निकाली जाने वाली कम्प्यूटर ऑपरेटर की रिक्तियों के लिए मान्य है।

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

Enjoy Publicity

कुम्भ नगरी प्रयागराज

नैनी के सरस्वती हाईटेक के बड़े प्लॉट टुकडो में होंगे आवंटित

(आधुनि समाचार नेटर्वक)

नैनी। सरस्वती हाईटेक के बड़े प्लांट का साइज कम कर आवंटित कर के समक्ष प्लांट को छोटा करके आवंटित करने की मांग की थी इस बाबत संघ की ओर से एकमात्र प्राप्त

उत्तर प्रदेश औद्योगिक सघ के पदाधिकारी यूपीसीडा के क्षेत्रीय प्रबन्धक का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए

रहे करने की योजना है इसके लिए उत्तर प्रदेश औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने हरी झंडी दे दी है इस निर्णय से उद्यगमियों को राहत मिलेगी सरस्वती हाईटेक को अस्तित्व में आए एक दशक हो गए है अभी 121 एकड़ जमीन खाली पड़ी है इसमें अधिकांश प्लांट 2000 वर्ग गज के है इसे खरीदने के लिए करोड़ों रुपए चाहिए बड़ी रकम खर्च होने के लिए कारण उद्यमी उद्योग स्थापित करने को लेकर आगे नहीं आ रहे है उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक संघ ने पिछले दिनों यूपीसीडा के एसीईओ होने पर अधिकारियों ने मंथन करने के बाद उनकी मांग को मान लिया है 2000 वर्ग गज के प्लांट को 1000 व 500 वर्ग गज कर उद्यमियों को आवंटित किया जाएगा अधिकारियों का मानना है कि इससे सरस्वती हाईटेक में जल्दी कई उद्योग आबाद हो जाएंगे लोगों को रोजगार भी मिलेगा अप सीधा के क्षेत्रीय प्रबंधक संतोष कुमार ने बताया कि उत्तर प्रदेश की ओर से पत्र मिलने के बाद उनकी मांग मान ली जाएगी उद्यमियों को बड़े प्लांट टुकड़ों में आवंटित किए जाएंगे।

भागलपुर बिहार के कृषकों का श्रीअन्न उत्पादन एवं प्रसंस्करण प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

(आधुनि समाचार नेटर्वक)

नैनी। प्रसार निदेशालय सैमहिग्गिनबॉटम कृषि प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय प्रयागराज दिनांक 19-123 सितंबर 2024 तक से पीडित रोगियों के लिए एक स्वास्थ्यवर्धक आहार है इसके अतिरिक्त हृदय संबंधित रोग एव कई गंभीर बीमारियों का निदान श्रीअन्न के उपयोग द्वारा किया जा सकता है। आहार के पोषक तत्वों के भरपूर श्रीअन्न के उपयोग से न सिर्फ कुपोषण की समस्या का निदान होगा अपितु श्रीअन्न के उपभोग को बढ़ावा देकर कृषक अपनी आर्थिक स्थिति भी उन्नत वैज्ञानिक खेती की जानकारी दी जाएगी अपितु प्रतियोगात्मक प्रशिक्षण के द्वारा श्रीअन्न के प्रसंस्कृति उत्पादों को गृह एवं व्यावसायिक स्तर पर तैयार करने का हस्त प्रशिक्षण प्रदान

शुआट्स- डा0 प्रवीन चरण निदेशक प्रसार डा0 एस0डी0 मैकार्टी निदेशक शोध एवं डा0 रितु दुबे निदेशक विकास पुष्प गुच्छे से स्वागत करते हुऐ।

संचालित होने वाले सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन आत्मा योजनान्तर्गत जनपद-भागलपुर, बिहार राज्य के 48 कृषकों का पांच दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्यघाटन समारोह में अध्यक्षता करते हुए निदेशक प्रसार डॉक्टर प्रवीण चरण ने कृषकों को श्रीअन्न के महत्व के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी और कहा कि वर्तमान समय में सामाजिक संचार की दृष्टिगत हमारा आहार और व्यवहार दोनों ही परिवर्तित हो गये है कहा जाता है कि भोजन की औषधि और अर्थात जिस प्रकार का भोजन हम ग्रहण करते है उसी प्रकार से हमारा स्वास्थ्य एवं विचार हो जाता है श्रीअन्न के प्रयोग द्वारा बहुत सारी बीमारी का घर बैठे निंदा किया जा सकता है जैसे कि विदित है कि श्रीअन्न का ग्लाइसेमिक्स इंण्डेक्स अन्य अनाजों की तुलना में अत्यंत कम होता है जिसकी वजह से यह मधुमेह रोग इस अवसर पर उन्होंने श्रीअन्न के विभिन्न उपयोग के बारे में कृषकों के समक्ष चर्चा की कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता करते हुए निदेशक शोध डा0 एस0डी0 मैकार्टी ने अधिकांश लोगों की रुचि एवं झुकाव चावल और गेहूं की खेती की ओर अधिक है जिसके सफलतापूर्वक कृषक इन्हीं अनाजों की खेती करना अधिक पसंद करते है परंतु जलवायु परिवर्तन के दृष्टिगत कई बार फसलें पर्याप्त लाभ नहीं दे पाती है जिससे कृषकों को आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है अतः यह आवश्यक है कि उन्हें रागी, कुटकी, सांवा, चीना, जैसे पौष्टिक श्रिधान्य की खेती की ओर आकर्षित किया जाये कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में सहभागिता करते हुए निदेशक विकास डॉक्टर श्रीमती रितु प्रकाश दुबे ने श्रीअन्न की महत्ता पर चर्चा करते हुए कि कुपोषण आज की बहुत ज्वलंत समस्या है तथा अपने दैनिक कर सकते है वर्तमान परिप्रेक्षय में उपभोक्ता लंबी जीवन अवधि के लिए उच्च गुणवत्ता वाले खाद्यय पदार्थों को प्राथमिकता देते है तो व्यस्त जीवनचार्य के कारण आसानी से बनने वाले उत्पादों का चयन करते अतः आज के समय की मांग यह है कि मोटापे मधुमेह उदरीय तथा अन्य जीवन शैली संबंधित रोगों हेतु संस्तुत श्रीअन्न के स्वास्थ्यवर्धक लाभ के संबंध में जागरूकता लाई जाए तथा यह प्रशिक्षण सी उद्देश्य को पूरा करने के लिए आयोजित किया गया है। कृषकों को श्रीअन्न के उत्पादन एवं उपयोग को अपनाकर आर्थिक रूप में समृद्धि होना आज के समय की मांग है । कार्यक्रम में प्रशिक्षण समन्वयक डॉक्टर मनीष कुमार केसरवानी के कृषकों के समक्ष प्रशिक्षण कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की तथा कहा कि पांच दिवसी कार्यक्रम के दौरान सहभागिता कर रहे कृषकों को न सिर्फ श्रीअन्न की सभी फसलों की किया जाएगा उन्होने कृषकों को श्रीअन्न की विभिन्न प्रसंस्कृति उत्पादों को तैयार करने की जानकारी भी प्रदान की जाएगी प्रसाद निदेशालय के वैज्ञानिक डॉक्टर शिशिरत कुमार ने ज्वार बाजरा सॉवा कोंदो आदि फसलों की वैज्ञानिक खेती करें जानकारी देते हुए कहां की बेहद कम पानी में भी श्रीअन्न की फसलों का उत्पादन सफलतापूर्वक किया जा सकता है तथा इनमें रोगों के लिए की संभावना भी बहुत कम होती है प्रसार निदेशालय की महिला उत्प्रेरक श्रीमती मीना नेथन ने कृषकों को महिला सशक्तिकरण एवं एफ0पी0ओ0 स्वयं सहायता समूह के माध्यम से कृषक महिलाओं को आर्थिक रूप में उन्नत करने पर चर्चा की कार्यक्रम के अवसर पर वैज्ञानिक डॉक्टर शैलेंद्र कुमार सिंह ने कृषकों क जैविक खेती पर जानकारी दी एवं वर्मी कम्पोस्ट तैयार करने की विधि बताई प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान अवसर पर प्रसार निदेशालय के समस्त वैज्ञानिक गण उपस्थित रहे।

गंगा और यमुना के जलस्तर में कमी लगातार जारी, बाढ़ प्रभावित इलाकों में दुश्वारियां बरकरार

(आधुनि समाचार नेटर्वक)

नैनी। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के लिए राहत भरी खबर है। गंगा का जलस्तर फिलहाल स्थिर है। सिंचाई विभाग बाढ़ खंड की बुलेटिन के अनुसार बुधवार को भी गंगा के जलस्तर में कमी दर्ज की गई है. अब यहां पर 83.94 मीटर पर गंगा बह रही है और छह सेंटी मीटर की रफ्तार घट रही है। छतनाग में जलस्तर 82.83 मीटर पर बह रही है। इसी तरह बारिश हुई। कोरांव में 62 मिमी और सदर तहसील में 60 मिमी बारिश हुई। बारा में 33, हंडिया में 23.5, फूलपुर में 10 तथा सोरांव में 15 मिमी बारिश हुई। गंगा और यमुना का जलस्तर तेजी से बढ़ने के बाद सहायक नदियां चंबल, केन और बेतवा भी उफान पर थी। कई जिलों से होते हुए प्रयागराज में पानी पहुंचा तो वह बाढ़ का रूप ले लिया था। यमुना के सापेक्ष शुक्रवार को गंगा

यमुना का जलस्तर भी घट रहा है। यहां पर फिलहाल जलस्तर 83.69 मीटर पर है। जिले में मंगलवार को 11 घंटे में 42.31 मिलीमीटर बारिश हुई। इनमें से करछना और कोरांव के बाद शहर में सबसे अधिक सदर तहसील में 60 मिमी बारिश हुई। प्रशासन से प्राप्त जानकारी के अनुसार सुबह आठ से शाम सात बजे के बीच करछना में 72 मिमी का पानी धीमी गति से बढ़ा था। यमुना का वेग इतना तेज था कि रात तक लेटे हनुमानजी डूब गए। सुबह तक मंदिर परिसर में कमर तक पानी भर गया था। यमुना का वेग इतना तेज था कि रात तक लेटे हनुमानजी डूब गए। सुबह तक मंदिर परिसर में कमर तक पानी भर गया था। गंगा-यमुना का जलस्तर लगातार खतरे के निशान की ओर बढ़ रहा था।

समाज के अंतिम व्यक्ति की आवाज थे योगेश शेखर-शुभाशा मिश्र

(आधुनि समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। समाज के अंतिम व्यक्ति की आवाज थे योगेश शेखर। उनके जैसा दूसरा कोई हो ही नही सकता। उन्होने अपना सम्पूर्ण जीवन समाज को दे दिया । उनका चिंतन बेमिसाल

था। मैं उन्हें अपनी भाव भीनी श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं। उक्त बातें बतौर मुख्य अतिथि शुभाशा मिश्रा ने प्रख्यात लोकतंत्र सेनानी, समाजवादी चिंतक साहित्यकार पत्रकार शोषित पीड़ित मजलुमो के लिए आजीवन संघर्ष रत, लोक कल्याण के लिए सदैव समर्पित, सच्चे समाज सेवी कर्मयोगी व सादगी की प्रतिमूर्ति, सोन साहित्य संगम सोनभद्र के संस्थापक निदेशक योगेश शुक्ला उर्फ योगेश शेखर की पांचवी पुण्यतिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में कही। इस अवसर पर सोनभद्र के नामचीन साहित्यकारों एवम पत्रकारों और समाज सेवियों ने भी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनकी स्मृतियों को साझा किया सोन साहित्य संगम के तत्वाधान में उनके निज निवास न्यू कालोनी में एक विचार गोष्ठी/ काब्य गोष्ठी का आयोजन दिन के एक बजे से किया गया था जिसकी अध्यक्षता राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त वरिष्ठ साहित्यकार सोन साहित्य संगम के संरक्षक ओम प्रकाश त्रिपाठी में किया और संचालन सोन साहित्य संगम के संयोजक अधिवक्ता राकेश शरण मिश्र ने किया।कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि ग्रामवासी सेवा आश्रम की संस्थापिका साहित्यकार पत्रकार सोनभद्र के प्रथम विधायक स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पंडित ब्रजभूषण मिश्र ग्रामवासी की सुपुत्री शुभाशा मिश्रा उपस्थित रही। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि एवम आमंत्रित अतिथियों द्वारा योगेश शेखर जी के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर एवम पुष्प अर्पित कर के गई। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित सोनभद्र के जाने माने कवि साहित्यकार सोन साहित्य संगम के उपनिदेशक सुशील राही, कथाकार असुविधा के निदेशक रामनाथ शिवेंद्र, गीतकार ईश्वर बिरागी, गीतकार डा रचना तिवारी, सुधाकर स्वदेश प्रेम, शहीद स्थल प्रबंधन ट्रस्ट करारी के निदेशक अधिवक्ता कवि प्रदुमन त्रिपाठी, विंध्य संस्कृति शोध समिति के निदेशक दिलीप केशरवानी, प्रभात सिंह चंदेल,जयराम सोनी, ने योगेश शेखर को याद करते हुए उनकी स्मृतियों को साझा करते हुए काब्य पाठ किया। और सभी ने एक स्वर में कहा कि योगेश जी का संपूर्ण जीवन समाज को शोषित पीडित वर्ग के लिए समर्पित था।अनुकरणीय एवम वंदनीय है। वही कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे ओम प्रकाश त्रिपाठी ने कहा कि योगेश जी के बारे में जितना कहा जाए कम है क्योंकि योगेश जी का जीवन देश और समाज के लिए पूर्ण रूप से समर्पित था। कथाकार रामनाथ शिवेंद्र ने कहा कि योगेश जी ने समाज के लिए जो काम किया है वो कोई दूसरा कभी नहीं कर सकता है। उनकी बाते उनके तर्क अकाट्य थे। डा रचना तिवारी ने कहा कि योगेश जी पूरे जीवन काल में समाज के संघर्ष करते रहे और फक्कड़ मिजाजी से जीवन जीने का काम किए। इसके अतिरिक्त योगेश शेखर के पुत्र वरुण शुक्ला, समाज सेवी राजेश अग्रहरी, समाज सेवी बंटी सिंह, मनोज पांडेय, गोपाल त्रिपाठी सहित दर्जनों अतिथियों ने अपना श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

ओबरा में दुर्गा पूजा को लेकर नवयुवक संघ समिति की बैठक आयोजित

(आधुनि समाचार नेटर्वक)
ओबरा /सोनभद्र। स्थानीय गजराज नगर स्थित सिंह वाहिनी नवयुवक संघ दुर्गा प्रांगण में बुधवार की शाम

दुर्गापूजा को लेकर बैठक भारतीय जनता पार्टी मंडल अध्यक्ष ओबरा सतीश पांडे की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इसमें सार्वजनिक श्री सिंह वाहिनी नवयुवक संघ दुर्गा पूजा समिति के द्वारा विगत कई वर्ष से किया जाता है।सर्वसम्मति से इस वर्ष भी दुर्गापूजा समिति के सदस्यों के सहमति से निर्णय लिया गया कि इस वर्ष पूजन पूर्व की तरह भव्य तरीके से मनाया जाएगा। बुधवार को ओबरा गजराज नगर में दुर्गा पूजा को लेकर नवयुवक समिति की बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान भारतीय जनता पार्टी मंडल अध्यक्ष सतीश पांडे और समाजसेवी अशोक जायसवाल ने बैठक में शांति पूर्वक दुर्गा पूजा समारोह आयोजित करने का निर्देश दिया गया।उन्होंने कहा कि दुर्गा पूजा के दौरान भीड़-भाड़ वाली जगहों पर पुलिस बल की भी तैनाती की जाएगी। मंडल अध्यक्ष ने कहा कि किसी भी हाल में दुर्गा पूजा के मौके पर हुड़दंग करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। दुर्गा पूजा में भीड़-भाड़ वाले जगहों पर पुलिस बल की भी तैनाती की जाएगी।पूजा समिति को भी इस बात का ख्याल रखना होगा कि पूजा पंडाल में किसी प्रकार का भगदड़ न हो एवं सरकार द्वारा जारी किए गए गाइडलाइन के अनुसार ही पूजा होगी।मौके पर समिति के संरक्षक पप्पू राय,संजय राय अध्यक्ष- सतीश पांडे उपाध्यक्ष- अंजनी तिवारी, मधु सिंह,अमित चौबे,दीपू पडित कोषाध्यक्ष-अशोक जायसवाल सहकोषाध्यक्ष-राकेश मौर्य सचिव-आदित्य प्रताप सिंह, मीडिया दीपक जायसवाल, कार्यकर्ता विमल यादव गोलू प्रजापति,अविनाश जयसवाल, प्रियांशु पांडे,शुभम मिश्रा,आदि मौजूद रहे।

सोशल मीडिया पर आपत्ति जनक पोस्ट पर कार्यवाही करने को निर्देश:एडीजी पीयूष मोर्डिया

(आधुनि समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। गुरुवार को पीयूष मोर्डिया अपर पुलिस महानिदेशक वाराणसी जोन, वाराणसी के जनपद सोनभद्र में आगमन पर सर्वप्रथम को पुलिस लाइन चुर्क में सलामी गार्द द्वारा सलामी दी गयी, महोदय द्वारा सलामी गार्द का अभिवादन स्वीकार किया गया

तत्पश्चात आगामी त्यौहारों एवं जनपद में कानून व शांति व्यवस्था/अपराध नियंत्रण के दृष्टिगत प्रशासनिक भवन पुलिस लाइन चुर्क, में समीक्षा बैठक की गई । समीक्षा बैठक के दौरान अशोक कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक सहित समस्त पुलिस राजपत्रित अधिकारी उपस्थित रहे। आगामी त्यौहार / अपराध समीक्षा गोष्ठी अपर पुलिस महानिदेशक वाराणसी जोन, वाराणसी पीयूष मोर्डिया की अध्यक्षता में पुलिस लाइन सभागार कक्ष में आगामी पर्वों व जनपद के अपराध एवं कानून व्यवस्था, माफिया अपराधियों विरुद्ध कार्यवाही के सम्बन्ध में समीक्षा गोष्ठी की गयी । नवरात्रि, रामनवमी, दीवाली आदि को सकुशल संपन्न कराए जाने के दृष्टिगत सभी राजपत्रित अधिकारी स्वंय के नेतृत्व में अपने सर्किल थाना क्षेत्र अंतर्गत अराजक तत्वों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध प्रभावी वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया । अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी कार्यवाही, आगामी पर्वों की संवेदनशीलता के दृष्टिगत छोटी सी छोटी घटनाओं पर गम्भीरता पूर्वक कार्यवाही करने हेतु समस्त पुलिस राजपत्रित अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए । सभी क्षेत्राधिकारीगण को अवैध शराब निष्कर्षण, भंडारण व बिक्री पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने हेतु सख्त निर्देश दिए गए ।यूपी-112 पर प्राप्त सूचनाओं को पीआरवी वाहनों द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर समयबद्ध निस्तारण हेतु हिदायत दिया गया। सभी पुलिस वाहनों पर लाउड हेलर व पब्लिक एड्रेस सिस्टम को सक्रिय करते हुए त्योहारों को शांति व सौहार्दपूर्ण ढंग से मनाने हेतु आमजन से अपील की जाए । महिला अपराधों के अभियुक्तों के विरुद्ध प्रभावी निरोधात्मक कार्यवाही करने, सनसनीखेज वारदातों के अभियुक्तों जैसे हत्या, लूट, डकैती, गैंगरेप, गौ तस्करी, वाहन चोरों, मादक पदार्थ तस्करों के विरुद्ध गैंगस्टर की कार्यवाही करने, माफिया अपराधियों के विरुद्ध कार्यवाही करने तथा गैंगस्टर की अभियुक्तों की धारा 14(1) अंतर्गत संपत्ति सीजर करने, शासन द्वारा चलाए गए अभियान ऑपरेशन कन्विक्शन के अंतर्गत जनपद स्तरीय चिन्हित सनसनीखेज अपराधों के 20 वादों की प्रभावी पैरवी कर सजा दिलाने, ऑपरेशन दृष्टि के तहत पब्लिक से समन्वय स्थापित कर अधिक से अधिक सीसीटीवी कवरेज कराने, ओवर लोड वाहनों के अवैध संचालन पर प्रभावी अंकुश लगाने, अवैध शराब निष्कर्षण, भंडारण व बिक्री पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने, सभी मुख्य बाजार/मार्गो चौराहों एवं हाइवे पर रात्रि गश्त एवं प्रभावी चेकिंग करने, पोर्टल पर प्राप्त होने वाले शिकायती प्रार्थनापत्रों का भली-भाँति अवलोकन कर उनमें निष्पक्ष जांच करने तथा समय से उनको निस्तारित करने के सम्बन्ध में गोष्ठी में उपस्थित समस्त राजपत्रित अधिकारीगण को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये । सोशल मीडिया कार्यवाही करने के सम्बन्ध में- अपर पुलिस महानिदेशक वाराणसी जोन, वाराणसी पीयूष मोर्डिया द्वारा सोशल मीडिया पर आगामी त्यौहारों, अपराधों व वायरल वीडियों/पोस्ट पर सतर्क दृष्टि रखने तथा भ्रामक व गलत संदेश/सूचना को किसी भी प्लेटफार्म पर प्रसारित करने वाले के विरुद्ध त्वरित कठोर कार्यवाही करने के सम्बन्ध में निर्देशित किया गया । इस दौरान अशोक कुमार मीणा पुलिस अधीक्षक , कालू सिंह अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) , त्रिभुवन नाथ त्रिपाठी, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) , सहित जनपद के समस्त क्षेत्राधिकारी मौजूद रहे ।

ओबरा में दुर्गा पूजा को लेकर उप जिलाधिकारी और पुलिस क्षेत्राधिकारी ने पूजा स्थल का निरीक्षण किया

(आधुनि समाचार नेटर्वक)
ओबरा सोनभद्र । गजराज नगर स्थित श्री श्री सिंह वाहिनी नवयुवक संघ दुर्गा प्रांगण में गुरुवार की दोपहर में 2:00 बजे दुर्गापूजा को लेकर बैठक भारतीय जनता पार्टी मंडल अध्यक्ष ओबरा सतीश पांडे की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इसमें सार्वजनिक श्री श्री सिंह वाहिनी नवयुवक संघ दुर्गा पूजा समिति के द्वारा विगत कई वर्ष से किया जाता है।सर्वसम्मति से इस वर्ष भी दुर्गापूजा समिति के सदस्यों के सहमति से निर्णय लिया गया।कि इस वर्ष पूजन पूर्व की तरह भव्य तरीके से मनाया जाएगा। गुरुवार को ओबरा गजराज नगर में दुर्गा पूजा को लेकर नवयुवक समिति की बैठक का आयोजन किया गया। जिसके क्रम में आज ओबरा उप जिलाधिकारी विवेक सिंह, पुलिस क्षेत्राधिकारी हर्ष पांडेय व प्रभारी निरीक्षक राजेश सिंह के द्वारा स्थलीय निरीक्षण कर मातहतों को सख्त निर्देश दिया गया।कि पूजा में अराजकता फैलाने वालों को किसी भी कीमत पर बक्सा नहीं जायेगा।इस मौके पर ओबरा भारतीय जनता पार्टी के मण्डल अध्यक्ष व पुलिस बल उपस्थित रहे साथ ही पुलिस क्षेत्राधिकारी ओबरा ने कहा कि दुर्गा पूजा के दौरान भीड़-भाड़ वाली जगहों पर पुलिस बल की भी तैनाती की जाएगी। थाना प्रभारी राजेश कुमार सिंह ने कहा कि किसी भी हाल में दुर्गा पूजा के मौके पर हुड़दंग करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। दुर्गा पूजा में भीड़-भाड़ वाले जगहों पर पुलिस बल की भी तैनाती की जाएगी।पूजा समिति को भी इस बात का ख्याल रखना होगा कि पूजा पंडाल में किसी प्रकार का भगदड़ न हो एवं सरकार द्वारा जारी किए गए गाइडलाइन के अनुसार ही पूजा होगी।मौके पर भारतीय जनता पार्टी के किसान मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष उमेश पटेल व समिति के संरक्षक पप्पू राय,संजय राय अध्यक्ष सतीश पांडे ,उपाध्यक्ष-श्री अंजनी तिवारी, मधु सिंह,अमित चौबे,दीपू पडित कोषाध्यक्ष अशोक जायसवाल , सहकोषाध्यक्ष राकेश मौर्य , सचिव ,आदित्य प्रताप सिंह, मीडिया दीपक जायसवाल, समिति के वालंटियर, विमल यादव, गोलू प्रजापति,अविनाश जयसवाल, प्रियांशु पांडे,शुभम मिश्रा, धनंजय गौतम,डॉ परशुराम केसरी,आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कर्मचारी संघ ने बुलंद की आवाज

(आधुनि समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र । गुरुवार को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कर्मचारी संघ सोनभद्र के जिला अध्यक्ष पुष्पेंद्र शुक्ला के नेतृत्व में कर्मचारियों का एक प्रतिनिधिमंडल मुख्य चिकित्सा अधिकारी के नामित पांच सूत्रीय ज्ञापन पत्र सौंपा तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी से निवेदन किया कि कर्मचारियों की उक्त जायज मांगों को जल्द से जल्द पूर्ण किया जाए तथा कर्मचारियों की समस्याएं निम्नवत है1- जिले स्तर पर कर्मचारियों की समस्याओं के निवारण हेतु जी आर सी कमेटी का निर्माण किया जाए 2- कर्मचारियों का वार्षिक इंक्रीमेंट एवं लॉयल्टी बोनस नियम अनुसार इस माह के वेतन के साथ पारित किया जाए ।

करणी सेना भारत प्रमुख ने ब्रेकर निर्माण को लेकर दिया ज्ञापन

(आधुनि समाचार नेटर्वक)
ओबरा /सोनभद्र। स्थानीय नगर पंचायत अंतर्गत बनी सड़को पर आय दिन बड़ी छोटी दुर्घटनाएं हो रही

है,जिससे नगर की जनता भयभीत है इस विषय को संज्ञान लेकर करणी सेना भारत प्रमुख राहुल प्रताप सिंह ने बताया कि यह एक बहुत ही संवेदनशील विषय है जो कि कुछ दिन पूर्व डिग्री कॉलेज चौराहे के पेट्रोल टंकी के पास बहुत ही भयावह घटना घटित हुई जिसकी वजह से एक परिवार का चिराग बुझ गया। यदि ऐसे शहर के कई स्थानों पर जहां ब्रेकर बनना चाहिए था वहाँ ब्रेकर नहीं होने की वजह से आय दिन घटनाएं घटित हो रही है जिसे लेकर आज करणी सेना प्रमुख ने उप जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा जिसके क्रम में उन्होंने आश्वासन दिया कि संबंधित विभाग से वार्तालाप करके जल्द ही निस्तारण करा दिया जायेगा।

स्टेट हाइवे पर उड़ते राख से जीना हुआ दुश्वार

(आधुनि समाचार नेटर्वक)
शक्तिनगर। ऊर्जांचल में कोयले के बाद अब राख परिवहन से लोगों का जीना दुश्वार हो गया है। अजय,दिलीप,सोनू, अमन,

राकेश,अरविंद आदि लोगों ने आरोप लगाते हुए कहा स्टेट हाईवे से प्रतिदिन सैकड़ो राख परिवहन किया जाता है। मानक से अधिक लोड करने व तिरपाल उड़ने के कारण रास्ते भर राख का प्रदूषण उड़ता रहता है। जिससे स्थानीय लोगों के साथ दुकानदार, बाइक चलाने व पैदल चलने वाले लोगों के आंखों के आगे दिन में ही अंधेरा छा जाता है। जिससे नरकीय जिंदगी साबित हों रही है।पुलिस प्रशासन भी ट्रांसपोर्टर व वाहनों पर कार्रवाई करने से गुरेज नजर आ रही है। उड़ते हुए राख से आसपास लगे पेड़ पौधे विलुप्त होनें के साथ ही चर्म रोग गंभीर बीमारी की चपेट में लोग आ रहे है।जिससे स्वांस व अन्य बीमारी से लोग ग्रसित हो रहे है। लोगों ने मानक से विपरीत चल रहे ट्रांसपोर्टरों व वाहनों पर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है।

सैनिक बन्धुओं की समस्याओं का ससमय किया जाये निस्तारण-जिलाधिकारी

(आधुनि समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय सैनिक बन्धु की बैठक की गयी, बैठक में आए पूर्व सैनिकों की समस्याओं को जिलाधिकारी ने गंभीरता से सुने, इस दौरान जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी/सदस्य सचिव कैप्टन (नौसेना) आशुतोष चैधरी (अ0प्रा0) ने बताया कि पूर्व सैनिकों की भूमि विवाद से सम्बन्धित कुछ समस्याएं हैं, जनपद सोनभद्र में खनिजों के अवैध परिवहन पर नियंत्रण के लिए सचल जॉच दल में सेवानिवृत्त सैन्य कर्मचारी के तैनाती के सम्बन्ध में भी विचार-विमर्श किया जाये एवं विद्युत विभाग से सम्बन्धित समस्याओं के बारे में भी अवगत कराया गया, जिस पर जिलाधिकारी ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि पूर्व सैनिकों से सम्बन्धित जो भी समस्याएं बैठक में रखी गयी है, उसका निराकरण सम्बन्धित अधिकारी नियमानुसार करना सुनिश्चित करेंगें, उन्होंने कहा कि पूर्व सैनिकों के साथ ही जनपद के वर्तमान में भी जो सैनिक अन्य प्रान्तों में तैनात है, उनकी समस्याओं से सम्बन्धित पत्रावलियों को संरक्षित करते हुए उनका भी निस्तारण नियमानुसार किया जाये, सैनिकों के समस्याओं का निस्तारण ससमय सुनिश्चित कराया जाये, पूर्व सैनिकों का पंजीकरण सैनिक कल्याण निगम में किया जाये, जिससे कि किसी विभाग को पूर्व सैनिकों की रोजगार हेतु आवश्यकता हो, तो वह सैनिक कल्याण निगम के माध्यम से जानकारी प्राप्त कर सकते है। बैठक के अन्त में जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी/सदस्य सचिव कैप्टन (नौसेना) आशुतोष चैधरी (अ0प्रा0) ने प्रधानमंत्री छात्रवृत्ति योजना वर्ष-2024-25 के आवेदन पत्रों के प्रेषण/पूर्व सैनिको एवं उनके आश्रितों को निःशुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण एवं सैनिक कल्याण निगम द्वारा पूर्व सैनिको को रोजगार के अवसर के बारे में अवगत कराया गया। इस मौके पर जिला विकास अधिकारी शेषनाथ चैहान, सी0ओ0 सदर संजीव कटियार, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह सहित पूर्व सैनिकगण उपस्थित रहें।

सेवा पखवाड़ा के तहत लगे प्रदर्शनी का राज्य मंत्री ने किया अवलोकन

(आधुनि समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के 74वें जन्म दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाये जा रहे सेवा पखवाड़ा के तहत प्रदर्शनी राजकिय बालिका इण्टर कालेज के प्रांगण मे आयोजित

की गई। प्रदर्शनी का शुभारंम्भ राज्यमंत्री संजीव कुमार गोंड व भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल ने फीता काटकर किया इस अवसर पर मुख्यअतिथि संजीव कुमार गोंड ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत का संकल्प सामुहिक प्रयास से ही संभव हो पायेगा प्रधानमंत्री ने आपदा को अवसर मे बदलने के लिए ही आत्मनिर्भर भारत का सन्देश दिया है प्रधानमंत्री ने देश कि नीतियों को आत्मनिर्भरता कि ओर बढाया है। यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है, देश मे वोकल फॉर लोकल को बढावा दिया जा रहा है भाजपा सरकार गरीबों के हितो का ख्याल रखती है, प्रधानमंत्री स्वनिधि के तहत जहां देश मे लाखों पथ विक्रेताओं को लोन दिया गया वही उद्योग विभाग से लोन देकर उद्योग धंधे को बढावा दिया जा रहा है। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि देश में मोदी ऐसे नेता हैं जो दुनिया के प्रसिद्ध नेताओं में शामिल हैं. मोदी और भारतीय जनता पार्टी ना केवल राजनीति करती है, बल्कि सामाजिक सरोकारों के कामों को भी आगे बढ़ाती है. बीजेपी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन को सेवा पखवाड़े के रूप में मनाती है. सुबह से उनके जन्मदिन के मौके पूरे जनपद में कार्यक्रम चल रहे है. पार्टी की सदस्यता अभियान एवं मोदी जी के जीवन से जुड़ी प्रदर्शनी लगाई गई है। इस मौके पर क्षेत्रीय अध्यक्ष अनुसूचित मोर्चा काशी व सदर ब्लाक प्रमुख अजीत रावत, उदयनाथ मौर्या, जिला महामंत्री कृष्णमुरारी गुप्ता, रविन्द्र केशरी, संजीव तिवारी, सुनिल सिंह, बृजेश श्रीवास्तव, रामलखन सिंह, यादवेन्द्र द्विवेदी, राकेश मेहता सहित आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बैंक जनता के साथ मैत्रीपूर्ण व्यवहार करते हुए रोजगार परक योजनाओं में निभाये अपनी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

(आधुनि समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। जिलाधिकारी जनपद के शिक्षित युवा बेरोजगारों को रोजगार के साधन उपलब्ध कराने हेतु बैंकर्स उद्ययोग-धंधों से सम्बन्धित पत्रावलियों का समय से करें निस्तारण-जिलाधिकारी जिलाधिकारी बी0एन0

सिंह की अध्यक्षता में आज को कलेक्ट्रेट सभागार में बैंकों की जिला सलाहकार समिति/डीसीसी के सम्बन्ध बैंक मैनेजर व सम्बन्धित अधिकारियों के साथ बैठक की, इस दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि बैंक जनता के साथ मैत्रीपूर्ण व्यवहार करते हुए रोजगार परक योजनाओं को मूर्त रूप देने में सकारात्मक सहयोग कर, जिले के विकास में सार्थक भूमिका निभाएं, जिले के सभी बैंक भारत सरकार और रिजर्व बैंक आफ इण्डिया के दिशा-निर्देशों के अनुरूप सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों के प्रति जिम्मेदारी के साथ मानवीय नैतिकता भी निभायें और जिले को पिछड़ेपन से बाहर करने के लिए बैंक जनता से सकारात्मक सहयोग करना सुनिश्चित करें, जिससे कि आम जनमानस को रोजगार करने हेतु समय से ऋण की सुविधा उपलब्ध हो सके, बैंक अपने कार्य पद्धति में सुधार लायें, अन्यथा की दशा में कार्यवाही का सामना करने के लिए तैयार रहें, जिलाधिकारी ने कहा कि जो बैंकर्स जनता के भलाई के लिए काम नहीं कर रहें है, वे अपने कार्यों में सुधार लायें अन्यथा की दशा में कार्यवाही के लिए स्वयं जिम्मेदार होंगें, जिलाधिकारी ने कहा कि बैंकर्स रोजगार परक योजनाओं में सहयोग करते हुए स्थानीय रोजगार को बढ़ावा दें, जिससे स्थानीय स्तर पर बेरोजगारों को रोजगार से जोड़ा जा सके।इस मौके पर जिलाधिकारी ने केन्द्र व प्रदेश सरकार द्वारा संचालित योजना जैसे-वार्षिक ऋण योजना, किसान क्रेडिट कार्ड योजना एवं पशुपालकों/मत्स्य पालकों को के0सी0सी0 की प्रगति, वसूली प्रमाण पत्रों की प्रगति, राष्ट्रीय ग्रामीण/शहरी आजीविका मिशन की प्रगति, पी0एम0 स्वनिधि योजना की प्रगति, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, मुख्यमंत्री युवा रोजगार योजना, एक जनपद एक उत्पाद की प्रगति, मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार की प्रगति, मुख्यमंत्री मॉटीकला रोजगार, बाबा साहब अम्बेडकर रोजगार प्रोत्साहन, एग्री इन्फ्रास्ट्रक्चर फण्ड, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, वित्तीय परामर्शदाता केन्द्र की प्रगति, इण्डबैंक ग्रामीण स्व-रोजगार प्रशिक्षण संस्थान के संचालन एवं उसकी प्रगति, वित्तीय समावेशन एवं वित्तीय साक्षरता हेतु किये गये पहल की प्रगति, विभिन्न त्रैमासिक विवरणियों/वांछित सूचनाओं/शिकायतों के जबाब का प्रेषण आदि बिन्दुओं पर बारी-बारी से सम्बन्धित अधिकारियों से बिन्दुवार समीक्षा की। बैठक में प्रभारी मुख्य विकास अधिकारी शेषनाथ चैहान, एलडीएम, बैंक के बैंक मैनेजरगण, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी सुधांशु शेखर शर्मा, परियोजना निदेशक (डूडा) राजेश उपाध्याय, डी0सी0 मनरेगा रविन्द्र वीर, जिला कृषि अधिकारी हरेकृष्ण मिश्र, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी अजय मिश्रा, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह सहित सम्बन्धित बैंक प्रतिनिधिगण आदि मौजूद रहें।

आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के पात्रों का बनाया जाएगा कार्ड

(आधुनि समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। आयुष्मान भारत नोडल ए सीएमओ डॉक्टर एस0 के0 वर्मा ने बताया कि गुरुवार को प्रमुख सचिव, चिकित्सा स्वास्थ्य, परिवार कल्याण एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग यूपी शासन द्वारा पत्र प्राप्त हुआ है कि जिले में 10 दिवसी आयुष्मान पखवाड़ा चलाया जाएगा जिसमें जिले के सभी सीएससी पीएससी पर या अभियान के तहत कर्मचारी पात्र व्यक्तियों के बनाएंगे कार्ड श्री वर्मा ने बताया कि रजत मिश्रा डी .जी .एम व डॉ सन्ह मंजुल डी .पी .सी द्वारा प्रतिदिन का मॉनिटरिंग कर संबंधित विभाग अधिकारियों की जानकारी ली जाएगी वही डॉक्टर एस के वर्मा ने बताया कि आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजनान्तर्गत 20 सितम्बर, 2024 से 30 सितम्बर, 2024 तक आयुष्मान पखवाड़ा में आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना 23 सितम्बर, 2018 तथा आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) 27 सितम्बर, 2021 को प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्र को समर्पित की गयी थी। माह सितम्बर में आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के 06 वर्ष एवं आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के 03 वर्ष पूर्ण हो जाएगा। उक्त के क्रम में नेशनल हेल्थ अथॉरिटी, भारत सरकार के माध्यम से 20 सितम्बर, 2024 से 30 सितम्बर, 2024 तक

आयुष्मान पखवाड़ा चलाया जाना निर्धारित किया गया है। इसके अन्तर्गत जनपदों में आयुष्मान पखवाड़ा चलाया जाना है, जिसमें निम्न गतिविधियाँ संचालित की जाएगी जिसमे आपके द्वार आयुष्मान योजनान्तर्गत लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड से संतृप्त किये जाने हेतु आयुष्मान ड्राइव चलाया जाना है। वहो. आयुष्मान चौपाल एवं आयुष्मान सभा का आयोजन समस्त आशा एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ती द्वारा अपने कार्यक्षेत्र के प्रधान / पंचसदस्य की सहायता से योजना के लाभार्थियों एवं आम जनमानस को आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना एवं आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के विषय में जागरूक करेंगी।वही. जनपद स्तर पर आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजनान्तर्गत सूचीबद्ध चिकित्सालयों का सम्मान समारोह :- (क) योजनान्तर्गत सूचीबद्ध कम से 5 से 7 चिकित्सालयों (निजी एवं सरकारी), जिनको जिलाधिकारी एवं मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा विगत वित्तीय वर्ष में किये गये उपचार के आधार पर सम्मानित किया जाए। (ख) उक्त समारोह में समस्त सरकारी एवं निजी चिकित्सालयों के शीर्ष अधिकारी को भी आमंत्रित करते हुए उन्हें योजना से जुड़े रहने हेतु प्रेरित किया जाए। एवं आयुष्मान भारत स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन किया जाये। आयुष्मान भारत साइकिल एवं मोटरसाइकिल यात्रा का आयोजन ब्लाक / ग्राम पंचायत स्तर पर उक्त योजनाओं के व्यापक प्रचार प्रसार हेतु सुविधानुसार साइकिल एवं मोटरसाइकिल यात्रा का आयोजन किया जाए।

बारिश से बहा मालोघाट संपर्क मार्ग एवं पुलिया, आवागमन बाधित

(आधुनि समाचार नेटर्वक)
डाला सोनभद्र। विकास खंड चोपन क्षेत्र अंतर्गत पनारी ग्राम पंचायत के मालोघाट संपर्क मार्ग पर बने पुलिया 24 घंटे की लगातार भीषण बरसात के कारण बीते सोमवार की रात्रि पुलिया टूट कर बह गई और ग्रामीण संपर्क मार्ग क्षतिग्रस्त हो गया। बता दें कि बिगत 10 वर्ष पहले ग्राम पंचायत से बना मालोघाट संपर्क मार्ग, स्टेट हाईवे को जोड़ने वाला मुख्य संपर्क मार्ग है। रामधनी, सुखनंदन, युगल बिहारी के घर से होते हुए प्राथमिक विद्यालय मालोघाट, गुरु कृपा आश्रम एवं कोइरी के लोगों के लिए मुख्य संपर्क मार्ग यही है। जो पारस, रामचंद्र, सरकारी गल्ले की दुकान से होते हुए मोहन के घर के पास निकलता है। जो बीते मध्य रात्रि भीषण बरसात के कारण बहकर क्षतिग्रस्त हो गया। ग्राम पंचायत सदस्य युगुल बिहारी ने बताया की पुलिया का निर्माण 10 वर्ष पहले ही ग्राम पंचायत की तरफ से कराया गया था। पुलिया एवं संपर्क मार्ग क्षतिग्रस्त होने से मासूम छोटे बच्चों को स्कूल जाने में एवं राहगीरों के आवागमन में समस्या हो गई है। पुलिया के टूट जाने से बच्चों को विद्यालय जाने-आने में परेशानी हो रही है।

देश/विदेश

मेरा देश भारत

संक्षिप्त समाचार

मुंबई पुलिस के पूर्व प्रमुख संजय पांडेय कांग्रेस में शामिल, धनशोधन मामले में आ चुका नाम

(आधुनि समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। पांडेय की उनके एक कंपनी के संबंध में जांच का सामना करना पड़ा था। हालांकि, बाद में उन्हें जमानत दे दी गई थी। उन्होंने महाराष्ट्र के कार्यवाहक डीजीपी और बाद में जब उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली एमवीए सरकार में मुंबई

पुलिस आयुक्त के तौर पर सेवाएं दीं।महाराष्ट्र में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित है। इससे पहले मुंबई पुलिस के पूर्व आयुक्त संजय पांडेय गुरुवार को कांग्रेस में शामिल हो गए। साल 1986 बैच के सेवानिवृत्त आईपीएस अफसर इससे पहले 2022 में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की रडार पर भी आ चुके हैं। उन्हें नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के कर्मचारियों की कथित तौर पर अवैध फोन टैपिंग से जुड़े धनशोधन के मामले में गिरफ़्तार किया गया था। संजय पांडेय को कांग्रेस की मुंबई इकाई की प्रमुख और लोकसभा सांसद वर्षा गायकवाड़ ने दक्षिण मुंबई स्थित कार्यालय में पार्टी की सदस्यता दिलाई। पांडेय ने खुद को धर्मनिरपेक्ष विचारधारा वाला शख्स बताया और कहा कि कांग्रेस को छोड़कर कोई भी दूसरा राजनीतिक दल धर्मनिरपेक्ष विचारधारा नहीं मानता। उन्होंने कहा, मैं किसी पार्टी में नहीं, बल्कि एक परिवार में शामिल हो रहा हूं। मैं 2004 में ही कांग्रेस में शामिल होना चाहता था, लेकिन मुझे मौका नहीं मिला।विधानसभा चुनावों के बाद महाराष्ट्र में विपक्षी महाविकास आघाड़ी (एमवीए) के सरकार बनाने का भरोसा जताते हुए पांडेय ने कहा कि एमवीए के शासन में आम नागरिकों को किसी चीज से डरने की जरूरत नहीं होगी।

थाना चोपन पुलिस द्वारा एक व्यक्ति के किसी दूसरे अज्ञात व्यक्ति के खाते में ट्रांसफर हुए 10000/- रुपये कराये गये वापस

(आधुनि समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। प्रकरण- अवगत कराना है कि दिनाँक 14.08.2024 को आवेदक सतेश चौहान पुत्र रामा चौहान निवासी ग्राम चिरुहुली करगरा थाना चोपन जनपद सोनभद्र द्वारा थाना चोपन जनपद सोनभद्र पर आनलाईन प्रार्थना पत्र प्रेषित किया गया था । जाँच के क्रम में आवेदक द्वारा बताया गया कि मैं अपने किसी परिचित के पास गूगल पे के माध्यम से 10000/- रुपये भेज रहा था नंबर मिसमैच होने के कारण मेरा पैसा किसी अज्ञात व्यक्ति के खाते मे चला गया तो मेरे द्वारा 1930 पर कॉल करके आनलाईन शिकायत दर्ज करायी गई थी । कार्यवाही के क्रम मे थाना चोपन पुलिस द्वारा पोर्टल का अवलोकन करके आवश्यक कार्यवाही करते हुये संबन्धित बैंक शाखा से जरिये ईमेल/पत्राचार करके आज दिनाँक 19.09.2024 को आवेदक का 10000/- रुपये उसके मूल बैंक खाते में सफलतापूर्वक वापस कराया गया। **पैसा वापस कराने वाली टीमः-** 1. प्रभारी निरीक्षक विजय कुमार चौरसिया थाना चोपन जनपद सोनभद्र। 2. निरीक्षक अपराध इरफान अली थाना चोपन जनपद सोनभद्र । 3. कम्प्यूटर आपरेटर सुशील कुमार थाना चोपन जनपद सोनभद्र। 4. का0 सुनील कुमार साइबर हेल्प डेस्क थाना चोपन जनपद सोनभद्र।

भाजपा युवा मोर्चा ने रक्तदान शिविर का आयोजन किया

(आधुनि समाचार नेटर्वक)

नोएडा। भारतीय जनता युवा मोर्चा, गौतमबुद्ध नगर द्वारा जिला कार्यालय भाजपा तिलपता पर सफल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ो युवाओं ने शिविर में

प्रतिभा किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा वरिष्ठ नेता विधान परिषद सदस्य श्रीचंद शर्मा ने रक्तदान शिविर का फीता काटकर उद्घाटन किया। उनके साथ भाजपा जिला अध्यक्ष गजेंद्र मावी, युवा मोर्चा क्षेत्रीय महामंत्री व जिला प्रवासी अनुज कश्यप, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष राज नागर, दादरी ब्लॉक प्रमुख विजेंद्र भाटी रहे। मुख्य अतिथि श्रीचंद शर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर सेवा के माध्यम से जनता के बीच पहुंचने का कार्य बीजेपी के कार्यकर्ता द्वारा किया जा रहा है, उन्होंने रक्तदाताओं के उत्साहवर्धन के लिए उन्हें सर्टिफिकेट व स्मृति चिन्ह प्रदान किये। जिला अध्यक्ष भाजपा गजेंद्र मावी ने सफल आयोजन के लिए युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष राज नागर व उनकी समस्त युवा मोर्चा टीम को बधाई दी। जिला अध्यक्ष भाजयुमो राज नागर ने कहा की देश का युवा आज भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर विश्वास करता है, युवा मोर्चा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी पूरे भारतवर्ष में सफलतापूर्वक महारक्तदान कार्यक्रम करने में सफल हुआ है। इस मौके पर योगेश चौधरी, धर्मेंद्र कोरी, पवन नागर, अमित पंडित, रवि जिंदल, मनीष भाटी, मुकेश चौहान, महेंद्र नागर, राजीव सिंघल, जितेंद्र भाटी, विमल पुंडीर, रजनी तोमर, सचिन गौतम, नईम खान, संगीता तिवारी, शक्ति सिंह रावल, बालेश्वर नागर, हिन्दू अतुल गुर्जर, जीवन भाटी, जॉनी चौहान, गौरव पटेल, विकास भाटी डाबरा, महेंद्र कर्दम, बृजेश ठाकुर, सचिन वर्मा, श्याम आर्य आदि सैकड़ों युवा मोर्चा के जिला व मंडल के कार्यकर्ता बंधु उपस्थित रहे।

संत निरंकारी मिशन का विशाल सत्संग कार्यक्रम संपन्न

(आधुनि समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। गुरुवार को मधुपुर सब्जी मंडी में लंगर प्रसाद के साथ संत निरंकारी मिशन का एक विशाल सत्संग कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस

कार्यक्रम में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया जो पूरे रॉबर्ट्सगंज, करमा, मधुपुर, बरसोत आदि क्षेत्रों श्रद्धालु आए थे। सत्संग की अध्यक्षता मुख्य विचारक संत निरंकारी मिशन के वर्तमान जोनल इंचार्ज वाराणसी पूज्य सिद्धार्थ शंकर जी ने की। अपने प्रवचन में, उन्होंने मानवता की एकता, निःस्वार्थ सेवा के महत्व और ईश्वर के साथ आध्यात्मिक संबंध स्थापित करने की आवश्यकता पर बल दिया सत्संग में मुख्य अतिथि जिले के सांसद छोटेलाल खरवार की गरिमामय उपस्थिति रही। जिन्होंने बताया आज सर्वधर्म समभाव पर आधारित निरंकारी मिशन हर जाति,धर्म को एक सूत्र में पिरोने का काम कर रही है। कई अन्य सम्मानित वक्ताओं ने भी अपने विचार साझा किए, जिनमें शामिल थे। मुख्यातिथि सांसद छोटेलाल खरवार ने कहा निरंकारी मिशन मानवता पर विश्वास रखता है और सभी मनुष्यों का आदर करता है। वे मानते हैं कि सभी मनुष्य एक ही परिवार के सदस्य हैं और उन्हें आपस में प्रेम और सहानुभूति दिखानी चाहिए निरंकारी बांच मुखी राजेश्वर सिंहने कहा निरंकारी मिशन मानवता पर विश्वास रखता है और सभी मनुष्यों का आदर करता है। वे मानते हैं कि सभी मनुष्य एक ही परिवार के सदस्य हैं और उन्हें आपस में प्रेम और सहानुभूति दिखानी चाहिए।निरंकारी मिशन मानत है कि केवल एक ईश्वर है जो सभी धर्मों और सभी मनुष्यों का पालनकर्ता है। उनके अनुसार धर्म केवल मार्ग हैं, गंतव्य एक ही हैं। सभी धर्मों की समानताः निरंकारी मिशन सभी धर्मों का सम्मान करता है और उनके बीच कोई भेदभाव नहीं मानता है। वे मानते है कि सभी धर्म शांति और प्रेम का संदेश देते हैं और उनमें कोई विरोध नहीं है क्षेत्रीय संचालन राधेश्याम ने कहा सभी धर्मों की समानताः निरंकारी मिशन सभी धर्मों का सम्मान करता है और उनके बीच कोई भेदभाव नहीं मानता है। वे मानते हैं कि सभी धर्म शांति और प्रेम का संदेश देते हैं और उनमें कोई विरोध नहीं है। वक्ताओं ने गीत, भजन और विचारो के माध्यम से अपनी भावनाएं रखी जैसे आध्यात्मिकता की भूमिका, वर्तमान समय में शांति और सद्भाव की आवश्यकता और संत निरंकारी मिशन के मानवीय कार्य। सत्संग में निरंकारी बहनों द्वारा संगीत की प्रस्तुतियाँ भी शामिल थीं, जिसने वातावरण को आध्यात्मिकता से भर दिया। संत निरंकारी मिशन एक आध्यात्मिक संगठन है जिसकी स्थापना 1929 में बाबा बूटा सिंह जी ने की थी। मिशन का उद्देश्य मानवता में आध्यात्मिक जागृति को बढ़ावा देना और एकता और भाईचारे को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम में नंदू प्रसाद, सुलोचना, योगेंद्र केशरी, रमेश गौतम, लावेदीलाल,सुरेंद्र, संगीता, डॉ एम पी आजाद आदि की गरिमामय उपस्थिति रही।

पीएम विश्वकर्मा कार्यक्रम में होंगे शामिल; महिलाओं के लिए खास योजना का करेंगे शुभारंभ

(आधुनि समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री 'पुण्यश्लोक अहिल्या देवी होल्कर महिला स्टार्टअप योजना' का भी शुभारंभ करेंगे। इस योजना के तहत महाराष्ट्र में महिला नेतृत्व वाले स्टार्ट अप को शुरुआती मदद दी जाएगी। इस योजना के तहत 25 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को महाराष्ट्र का दौरा करेंगे, जहां वे 'पीएम विश्वकर्मा' योजना की पहली वर्षगांठ के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे। प्रधानमंत्री अमरावती में एक टेक्सटाइल पार्क का शिलान्यास भी करेंगे। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के मुताबिक, प्रधानमंत्री मोदी वर्धा में सुबह साढ़े ग्यारह बजे 'पीएम विश्वकर्मा' कार्यक्रम में भाग लेंगे। इस मौके पर वे योजना के लाभार्थियोंको प्रमाण पत्र और ऋण वितरित करेंगे। प्रधानमंत्री 18 ट्रेडों के तहत 18 लाभार्थियों को योजना के तहत ऋण वितरित करेंगे। इसके साथ ही योजना के तहत एक साल पूरे होने पर स्मारक डाक टिकट भी जारी करेंगे। पीएम मोदी अमरावती में 'पीएम मेगा इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल रीजन्स एंड एप्पेरल (पीएम मित्रा) पार्क' शिलान्यास करेंगे।

लालू प्रसाद यादव की बढ़ीं मुश्किलें; सीबीआई को मिली मुकदमा चलाने की अनुमति

(आधुनि समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने सीबीआई से अन्य आरोपियों के खिलाफ मंजूरी हासिल करने की प्रक्रिया में तेजी लाने को कहा है। मामले की अगली सुनवाई 15 अक्तूबर को होगी। नौकरी के बदले जमीन मामले की अगली सुनवाई 15 अक्तूबर को होगी। इससे पहले ईडी की जांच के सिलसिले में लालू प्रसाद यादव, तेज प्रताप और तेजस्वी यादव को कोर्ट ने तलब किया था। घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अन्य आरोपियों को भी तलब किया गया

मामले में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। दरअसल, सीबीआई ने पूर्व रेल मंत्री लालू यादव के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति मांगी थी। गृह मंत्रालय ने इसके लिए मंजूरी दे दी है। 30 से ज्यादा आरोपी ऐसे हैं, जिनके खिलाफ अभियोजन की मंजूरी का इंतजार है। सीबीआई ने अन्य आरोपियों के खिलाफ मंजूरी हासिल करने के लिए 15 दिन का और समय मांगा है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने सीबीआई से अन्य आरोपियों के खिलाफ मंजूरी हासिल करने की प्रक्रिया में तेजी लाने को कहा है। था। कोर्ट ने सभी को सात अक्तूबर को पेश होने के लिए कहा है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छह अगस्त को 11 आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था, जिनमें से चार की पहले ही मौत हो चुकी है। दरअसल, दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने लालू, तेजस्वी और अन्य आरोपियों को समन जारी किया था। कोर्ट ने अखिलेश्वर सिंह और उनकी पत्नी किरण देवी को भी समन भेजा था। कोर्ट ने कहा कि तेज प्रताप यादव की संलिप्तता से इनकार नहीं किया जा सकता है। वह एके इंफोसिस लिमिटेड के निदेशक भी थे।

क्या अयोध्या भेजे गए थे एक लाख लड्डू तिरुपति के प्रसाद में चर्बी की रिपोर्ट पर भड़का आरएसएस

(आधुनि समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। तिरुपति बालाजी में कथित तौर पर चर्बी पाए जाने के बाद से शुरू हुआ विवाद थमने का

नाम नहीं ले रहा है। आंध्र के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने दावा किया था कि, वाईएसआरसीपी शासन के दौरान तिरुमाला लड्डू प्रसादम में पशु की चर्बी का इस्तेमाल किया गया था। केंद्र सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एनडीडीबी की लैब ने पुष्टि की है कि लड्डू बनाने में इस्तेमाल किए गए घी में पशु चर्बी था। इस जानकारी के सामने आने के बाद अब ये सवाल खड़ा हो रहा है कि, क्या इस साल की शुरुआत में अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में भी तिरुपति के लड्डू भेजे गए थे। दरअसल उस वक्त मीडिया में ऐसी कई रिपोर्ट्स छपी थीं जिनमें कहा गया था कि, इस उत्सव को खास बनाने के लिए प्रसिद्ध तिरुमाला तिरुपति देवास्थानम ने एक लाख छोटे लड्डू अयोध्या भेजने का फैसला किया है। हालांकि इस बात की पुष्टि नहीं हो पाई है कि, तिरुमाला तिरुपति देवास्थानम ने राम मंदिर उत्सव के दौरान लड्डू भेजे थे या नहीं। इसी बीच आरएसएस के मुख पत्र पांचजन्य ने तिरूपति मंदिर के लड्डूओं को लेकर कड़ी नाराजगी जाहिर की है। पांचजन्य ने सोशल मीडिया एक्स पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि, इससे शर्मनाक कुछ नहीं हो सकता ! तिरुमाला वेंकटेश्वर मंदिर के प्रसाद में मिलाया जा रहा था जानवरों की चर्बी, सूअर का फैट और मछली का तेल। जगनमोहन रेड्डी की सरकार ने हिन्दुओं की आस्था के साथ किया अन्याय! लैब में हुए सैंपल टेस्ट में सामने आई बड़ी जानकारी ! आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने दी थी जानकारी, अब मंदिर के लड्डू प्रसाद में मिलाया जा रहा है घी। इस मामले पर टीडीपी प्रवक्ता अनम वेंकट रमण रेड्डी ने दावा किया कि प्रसिद्ध श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर का प्रबंधन करने वाले तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) की ओर से उपलब्ध कराए गए घी के नमूनों में गुजरात स्थित पशुधन प्रयोगशाला द्वारा मिलावट की पुष्टि हुई है। नमूने लेने की तारीख नौ जुलाई, 2024 थी और लैब रिपोर्ट 16 जुलाई की थी। इस रिपोर्ट में घी के नमूने में पशु की चर्बी, लार्ड (सूअर की चर्बी) और मछली के तेल की मौजूदगी का दावा किया गया है।

लोकप्रिय गायिका रुखसाना बानो का निधन, महज 27 साल की थीं; परिजन ने लगाया जहर देने का आरोप

(आधुनि समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। रुखसाना की मां और बहन ने आरोप लगाया कि उन्हें पश्चिमी ओडिशा के उनके एक प्रतिद्वंद्वी गायक

ने जहर दिया है, लेकिन उन्होंने कलाकार की पहचान उजागर नहीं की। लोकप्रिय संबलपुरी गायिका रुखसाना बानो का निधन हो गया। भुवनेश्वर के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) भुवनेश्वर में इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। हालांकि, अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि कि 27 साल की रुखसाना का जीवाणु के कारण होने वाले रोग 'स्क्रब टाइफस' का इलाज किया जा रहा था। उनकी ओर से बुधवार रात हुई उसकी मौत का कारण अभी तक नहीं बताया गया है रुखसाना की मां और बहन ने आरोप लगाया कि उन्हें पश्चिमी ओडिशा के उनके एक प्रतिद्वंद्वी गायक ने जहर दिया है। हालांकि, जब उनसे उसका नाम पूछा गया तो उन्होंने कलाकार की पहचान उजागर करने से इनकार कर दिया। उन्होंने दावा किया कि रुखसाना को पहले भी धमकियां मिली थीं। करीब 15 दिन पहले बोलनगीर में शूटिंग के दौरान जूस पीने के बाद रुखसाना बीमार पड़ गई।

पुलिसकर्मियों पर सैन्य अफसर की महिला मित्र के यौन उत्पीड़न का आरोप

(आधुनि समाचार नेटर्वक)

ओडिशा। पुलिस ने पीड़िता को बदतमीजी के आरोप में गिरफ्तार किया था। 19 सितंबर को हाईकोर्ट से जमानत के बाद उसने ये खुलासा किया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, ओडिशा पुलिस ने इंस्पेक्टर इंचार्ज समेत पांच पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया है।पीड़िता ने बताया कि रविवार रात

करीब एक बजे वह अपना रेस्टोरेंट बंद करके आर्मी ऑफिसर के साथ घर लौट रही थी। रास्ते में कुछ युवकों ने उनका रास्ता रोकने की कोशिश की और छेड़छाड़ करने लगे। पुलिस से शिकायत करने और मदद मांगने के लिए वे भरतपुर थाने पहुंचे महिला ने आरोप लगाया, 'जब हम प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए थाने पहुंचे तो वहां सिविल ड्रेस में मौजूद एक महिला पुलिसकर्मी थी। हमने उनसे एफआईआर दर्ज करने और बदमाशों को पकड़ने के लिए एक गश्ती वाहन भेजने के लिए कहा। मेरी मदद करने के बजाय, उन्होंने मेरे साथ दुर्व्यवहार किया।'वर्तमान में भुवनेश्वर स्थित एम्स में इलाज करा रही महिला ने कहा कि कुछ देर बाद और पुलिसकर्मी थाने पहुंचे तथा उन्होंने उनके दोस्त से शिकायत लिखने को कहा। महिला ने आरोप लगाया, 'मुझे नहीं पता कि क्या हुआ, उन्होंने मेरे दोस्त (सैन्य अधिकारी को) हवालात में डाल दिया। जब मैंने कहा कि वे (पुलिस) सेना के अधिकारी को हिरासत में नहीं रख सकते तो दो महिला अधिकारियों ने मेरे साथ मारपीट शुरू कर दी।

राष्ट्रीय स्तर पर बनाया जाए 'सनातन धर्म रक्षण बोर्ड', पवन कल्याण ने उठाई अहम मांग

(आधुनि समाचार नेटर्वक)

तिरुपति। डिप्टी सीएम पवन कल्याण ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि 'तिरुपति बालाजी प्रसाद में जानवरों की चर्बी (मछली का तेल, सूअर की चर्बी और गोमांस की चर्बी) मिलाए जाने की बात से हम सभी बहुत परेशान हैं। तत्कालीन वाईएसआरसीपी की सरकार द्वारा गठित टीटीडी बोर्ड को कई सवालों के जवाब देने होंगे। हमारी सरकार हरसंभव सख्त कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन, यह मामला मंदिरों के अपमान, भूमि संबंधी मुद्दों और अन्य धार्मिक प्रथाओं से जुड़े कई मुद्दों पर प्रकाश डालता है।पवन कल्याण ने लिखा कि 'अब समय आ गया है कि पूरे भारत में मंदिरों से जुड़े सभी मुद्दों पर विचार करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर 'सनातन धर्म रक्षा बोर्ड' का गठन किया जाए। सभी नीति निर्माताओं, धार्मिक प्रमुखों, न्यायपालिका, नागरिकों, मीडिया और अपने-अपने क्षेत्रों के अन्य सभी लोगों द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर इस मुद्दे पर एक बहस होनी चाहिए। मुझे लगता है कि हम सभी को किसी भी रूप में 'सनातन धर्म' के अपमान को रोकने के लिए एक साथ आना चाहिए।

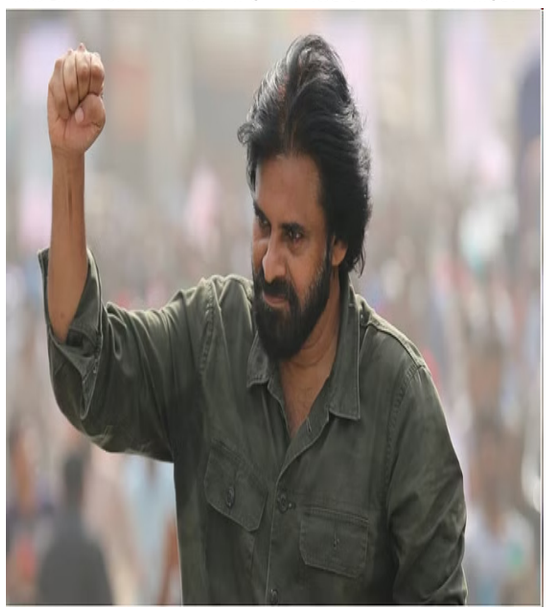

अगर भगवान के नाम का दुरुपयोग हुआ तो पिछली वाईएसआरसीपी सरकार को टीडीपी नेता ने लगाई फटकार

(आधुनि समाचार नेटर्वक)

गुजरात । गुजरात में केंद्र सरकार के राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड का पशुधन व खाद्य विश्लेषण स्टडी सेंटर की लैब में जो जांच की गई उसमें पाया गया कि लड्डुओं में जानवरों की चर्बी मिलाई गई थी। इस पर सियासी विवाद गहराता जा रहा है। आंध्र प्रदेश के तिरुपति बालाजी मंदिर के प्रसाद में कथित तौर पर जानवरों की चर्बी मिलने का मामला गहराता जा रहा है। देशभर में इस घटना की निंदा की जा रही है। इस मामले को लेकर आंध्र प्रदेश के मंत्री और तेलगु देशम पार्टी (टीडीपी) नेता नारा लोकेश ने पिछली वाईएसआरसीपी सरकार को कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार ने टीटीडी (तिरुमला तिरुपति देवस्थानम) को केवल और अपने साथियों के कल्याण के लिए बनाए रखा था। गौरतलब है, गुजरात में केंद्र सरकार के राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड का पशुधन व खाद्य विश्लेषण स्टडी सेंटर की लैब में जो जांच की गई उसमें पाया गया कि लड्डुओं में जानवरों की चर्बी मिलाई गई थी। इस पर सियासी विवाद गहराता जा रहा है। तिरुपति लड्डू विवाद पर टीडीपी नेता नारा लोकेश ने कहा, 'पिछली सरकार ने तिरुमला तिरुपति देवस्थानम को केवल और अपने साथियों के कल्याण के लिए बनाए रखा था। हमने कहा था कि अगर भगवान के नाम का दुरुपयोग होगा तो ये विनाश लाएगा। 2019 से 2024 तक हमारे गठबंधन (जनसेना तेलुगु देसम) ने कई बार तब की वाईएसआरसीपी सरकार की निंदा की थी।' उन्होंने कहा कि हमने लैब रिपोर्टों के आधार पर जानवरों की चर्बी उपयोग करके घटिया तिरुमाला लड्डू बनाने का पर्दाफाश किया है। तेलगु देशम पार्टी के नेता ने आगे कहा, 'पिछली सरकार ने तिरुमला तिरुपति देवस्थानम की प्रतिष्ठता को खराब किया है। हमने पिछली गलतियों को सुधारने के लिए नया ईओ नियुक्त किया है। सीएम चंद्रबाबू नायडू ने प्रसाद की गुणवत्ता को बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। हमने राज्य में पहले भी बहुत से सीएम देखे, लेकिन ऐसी सरकार नहीं देखी। पिछली सरकार ने टीटीडी को सिर्फ अपने कल्याण के लिए बनाया था। एनडीए सरकार टीटीडी की प्रतिष्ठा वापस लाने के लिए नए सुधार करेगी।' इससे पहले, टीटीडी बोर्ड सदस्य और भाजपा नेता भानुप्रकाश रेड्डी ने श्री वेंकेटेश्वरा मंदिर में तिरुपति प्रसादम के लड्डुओं में जानवरों की चर्बी मिलाने की निंदा की। उन्होंने कहा कि वे पिछली वाईएसआरसीपी सरकार के खिलाफ

शिकायत दर्ज कराएंगे। पिछली सरकार का नेतृत्व सीएम जगन मोहन रेड्डी कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 2019 से 2024 तक जगनमोहन रेड्डी की सरकार में प्रसाद के लड्डू बनाने के लिए जिस घी का इस्तेमाल होता था वह गाय का शुद्ध घी नहीं था बल्कि मिलावटी थी। उन्होंने कहा कि बालाजी के दर्शन के बाद श्रद्धालु लड्डू प्रसाद लेते हैं। जगनमोहन रेड्डी की सरकार के दौरान रोज लड्डू बनाने के लिए 14 टन घी का इस्तेमाल होता था। दुर्भाग्य से यह मिलावटी था। रिपोर्ट में पता चला है कि इसमें जानवरों की चर्बी मिलाई गई थी।

बॉलीवुड/टैली मसाला

जयम रवि और आरती की शादी में आई दरार के पीछे है ये कारण, इस गायिका से अफेयर की हो रही है चर्चा

(आधुनि समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। अभिनेता जयम रवि ने हाल ही में अपनी पत्नी आरती से तलाक की घोषणा सोशल मीडिया पर की थी। आरती और जयम 15 वर्षों से शादीशुदा जिंदगी में थे। उनकी शादी में दरार क्यों आई है इसके पीछे कई कारण सामने आए हैं। तमिल सिनेमा के लोकप्रिय अभिनेता जयम रवि ने हाल ही में अपनी पत्नी आरती से तलाक की घोषणा सोशल मीडिया पर की थी। आरती और जयम 15 वर्षों से शादीशुदा जिंदगी में थे। इस शादी में आई दरार के बाद से फैंस के बीच उनकी शादी को लेकर चर्चा चल रही है। दोनों की शादी खत्म होने के पीछे क्या कारण है, इसकी पुष्टि नहीं हुई है। हालांकि, दोनों के बीच किसी तीसरी महिला के आने की बात चल रही है।मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जयम रवि कथित तौर पर बैंगलोर की गायिका केनिशा फ्रांसिस के साथ सिक्रेट रिलेशनशिप में थे। हालांकि इस बात को लेकर कोई पुष्टि नहीं है। रिपोर्ट्स की मानें तो अभिनेता जयम और केनिशा पर जून में ओवरस्पीडिंग के मामले में गोवा पुलिस ने जुर्माना लगाया था। जुर्माने के मामले में जयम की पत्नी आरती को अलर्ट मिलने के बाद चीजें और खराब हो गईं, जिससे दोनों के बीच अनसुलझे विवाद शुरू हो गए।रिपोर्ट्स में कहा गया है कि अभिनेता जयम अपनी पत्नी के साथ शादी की सालगिरह न मनाकर गायिका केनिशा के साथ गोवा चले गए थे। वहां उन्होंने एक बंगला भी खरीद लिया था। इस बात का पता चलने पर पति-पत्नी में विवाद और भी बढ़ गया था। हालांकि यह भी अफवाह है। मीडिया रिपोर्ट्स एक और रिपोर्ट में कहा गया था कि आरती रवि और जयम रवि की शादी खत्म होने की वजह आरती की मां सुजाता विजयकुमार और उनके दत्तक पुत्र शंकर हैं। जयम रवि का अपनी सास सुजाता और अपने साले शंकर के साथ एक खास शूटिंग के दौरान झगड़ा हुआ था, जिसे दोनों ने मैनेज किया था। वास्तव में, यह भी दावा किया गया था कि अभिनेता की सास ने एक फिल्म निर्माता को सलाह दी थी कि वह जयम की अगली फिल्म के लिए उनके पारिश्रमिक को वांछित 25 करोड़ रुपये से कम कर दे।

मानवत मर्डर्स' में रमाकांत एस कुलकर्णी की भूमिका निभाएंगे आशुतोष

(आधुनि समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। सोनी लिव एक मनोरंजक क्राइम थ्रिलर सीरीज 'मानवत मर्डर्स' लेकर आ रही है। यह सीरीज 70 के दशक में देश को झकझोर देने वाली सबसे भयानक घटनाओं को दिखाएगी। आशीष बेंडे द्वारा निर्देशित इस शो में आशुतोष गोवारिकर मुख्य भूमिका में नजर आएंगे, जो प्रतिष्ठित सीआईडी जासूस रमाकांत एस कुलकर्णी की भूमिका अदा करेंगे, जिन्हें भारत के शेरलॉक होम्स के रूप में भी जाना जाता है।इस सीरीज

में गोवारिकर एक अनूठी भूमिका निभाते नजर आएंगे, जो शांत और संयमित होने के साथ-साथ अत्यधिक समझदार भी हैं। उनका किरदार इतिहास के कुछ सबसे जटिल मामलों को सुलझाते हुए नजर आएगा। यह सीरीज 1970 के दशक के दौरान ग्रामीण महाराष्ट्र में दिल दहला देने वाली विचित्र हत्याओं की एक सीरीज को सुलझाने के उनके प्रयासों को उजागर करेगी। आशुतोष गोवारिकर कहते हैं, 'मैं बेहद सौभाग्यशाली महसूस कर रहा हूं कि मुझे बॉम्बे सीआईडी के पुलिस अधिकारी रमाकांत एस. कुलकर्णी का किरदार निभाने के लिए चुना गया, जो आज दर्शकों के सामने पेश किए जाने के बिल्कुल हकदार हैं।

द बकिंघम मर्डर्स की हालत पतली, स्त्री 2 का जलवा बरकरार, जानें गोट का हाल

(आधुनि समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। सिनेमाघरों में इन दिनों द बकिंघम मर्डर्स, द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम और स्त्री 2 प्रदर्शित हो रही है। इन तीनों फिल्मों में से सबसे ज्यादा स्त्री 2 को पसंद किया जा रहा है। करीना कपूर की फिल्म का पहले हफ्ते में बॉक्स ऑफिस पर बुरा हाल हो गया है। वहीं, गोट के बड़े बजट के कारण इसकी कमाई को भी संतोषजनक नहीं माना जा सकता। आइए जानते हैं कि मंगलवार को किस फिल्म ने कैसा प्रदर्शन किया। हंसल मेहता के निर्देशन में बनी फिल्म द बकिंघम मर्डर्स को दर्शकों का प्यार नहीं मिल सका है। करीना इस फिल्म की अभिनेत्री होने के साथ इसकी निर्माताओं में से एक भी हैं। इस मर्डर मिस्ट्री फिल्म की शुरुआत ही टिकट खिड़की पर धीमी रही। पहले दिन फिल्म ने एक करोड़ 15 लाख रुपये से ओपनिंग ली। इसके बाद फिल्म ने शनिवार को एक करोड़ 95 लाख, रविवार को दो करोड़ 15 लाख और सोमवार को 80 लाख रुपये का कलेक्शन किया। ताजा आंकड़ों के मुताबिक मंगलवार को फिल्म ने 75 लाख रुपये का कारोबार किया है। अब इस फिल्म की कुल कमाई छह करोड़ 80 लाख रुपये हो गई है। विजय की फिल्म द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम (गोट) का बॉक्स ऑफिस पर प्रदर्शन संतोषजनक नहीं रहा है। फिल्म टिकट खिड़की जलवा नहीं दिखा पाई है। पहले हफ्ते में इस फिल्म ने 178 करोड़ रुपये का बिजनेस किया। वहीं, दूसरे हफ्ते में भी फिल्म धीमी रफ्तार से आगे बढ़ रही है। 13वें दिन फिल्म ने छह करोड़ 94 लाख रुपये का बिजनेस किया है। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई 226.54 करोड़ रुपये हो गई है।स्त्री 2 का जादू बॉक्स ऑफिस पर अब भी बरकरार है। फिल्म को देखने के लिए अब भी बड़ी संख्या में दर्शक पहुंच रहे हैं। पांचवें हफ्ते में भी इस फिल्म की बॉक्स ऑफिस पर मजबूत पकड़ बरकरार है। 34वें दिन स्त्री 2 ने दो करोड़ 53 लाख रुपये का कलेक्शन किया। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई 560.38 करोड़ रुपये हो गई है।

मैं रोने ही वाला था', जब शाहरुख खान की शरारत से मंच पर भर आई थीं राजीव ठाकुर की आंखें

(आधुनि समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। राजीव ठाकुर इन दिनों नेटफ्लिक्स की वेब सीरीज 'आईसी 814: द कंधार हाईजैक' की वजह से सुर्खियों में हैं। इस शो में वह आतंकी के किरदार में नजर आए है। वह लंबे समय तक कपिल शर्मा के शो का हिस्सा रहे हैं और लोगों को खूब हंसाया है। हाल ही में उन्होंने ' द ग्रेट इंडियन कपिल शो' में नजर आने वाले कलाकारों के साथ अपने काम करने के अनुभव को साझा किया। उन्होंने कहा कि पहली बार जब उन्होंने शाहरुख खान के साथ मंच साझा किया तो वह पूरी तरह से सन्न रह गए थे। राजीव ने उस समय को भी याद किया जब कपिल और शाहरुख ने उनके साथ मजाक करने की योजना बनाई थी, जिसने उन्हें पूरी तरह से आश्चर्यचकित कर दिया था।सिद्धार्थ कन्न के साथ बातचीत के दौरान राजीव ने इस घटना को याद करते हुए कहा, मैं शाहरुख से बहुत प्यार करता हूं और वह मेरे आदर्श हैं, इसलिए जब वह आए तो मैं डरा नहीं था। मैं बस यही सोच रहा था कि क्या उन्हें पहली बार देखने पर मैं अपनी लाइनें याद भी रख पाऊंगा या नहीं। मुझे बताया गया था कि आपके लिए एक विशेष भाग है ताकि आप शाहरुख के साथ प्रदर्शन कर सकें। मुझे नहीं पता था कि इसे बाद में 20 मिनट के खंड में बदल दिया जाएगा।राजीव ने खुलासा किया कि कपिल जानते थे कि वह शाहरुख से कितना प्यार करते हैं, इसलिए उन दोनों ने उनके साथ गंभीर होकर मजाक करने की योजना बनाई। उन्होंने कहा, शाहरुख सर ने मुझे मंच पर डांट दिया, जिसकी वजह से मैं रोने की कगार पर पहुंच गया था। जब मुझे पता चला कि क्या हो रहा है, तो मैं भावुक हो गया। इसके बाद उन्होंने मुझ पर बहुत प्यार बरसाया उन्होंने किंग खान की खूब तारीफ करते हुए आगे कहा, मेरे पास एक फोटो था जो मैंने उनके पोज में क्लिक कराई थी बाद में शो के बाद उनके लोगों में से एक ने मेरी वैनिटी पर दस्तक दी और कहा 'शाहरुख सर ने आपके लिए यह भेजा है। उन्होंने इसके पीछे एक नोट लिखा था, जिसमें लिखा था कि आप शानदार है। मुझे बहुत खेद है।

यह जोड़ी जीवन भर साथ रहेगी', आलिया रणबीर की शादी से पहले ही करण ने की थी भविष्यवाणी, किया खुलासा

(आधुनि समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। आगामी फिल्म 'जिगरा' के स्टार आलिया भट्ट और वेदांग रैना

नेटफ्लिक्स पर 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के दूसरे सीजन के प्रीमियर एपिसोड में दिखाई देंगे। उनके साथ निर्माता करण जौहर और निर्देशक वासन बाला भी होंगे। इस एपिसोड में आलिया रणबीर कपूर के साथ अपनी शादी के बारे में बात करेंगी। इस शो में करण ने आलिया और रणबीर को लेकर अपनी की गई भविष्यवाणी का भी खुलासा किया है। आइए जानते हैं। शो में कपिल शर्मा ने करण को इंडस्ट्री में मैचमेकर के तौर पर उनकी लोकप्रियता के बारे में मजाक में चिढ़ाते हुए कहा, कुछ लोगों का मानना है कि आप इंडस्ट्री में मैरिज ब्यूरो चलाते हैं। करण ने हंसते हुए जवाब दिया, मैंने कई लोगों को प्यार पाने में मदद की है, और वे आज शादीशुदा भी हैं। लेकिन मैं अभी भी सिंगल हू अपना अनुभव साझा करते हुए आलिया भट्ट ने कहा, ''जब रिश्तों की बात आती है तो करण के पास छठी इंद्रिय है। जब हम पहली बार दोस्त बने तो उन्होंने भविष्यवाणी की थी कि रणबीर और मैं एक बेहतरीन जोड़ी बनाएंगे। उन्होंने मुझसे कहा, 'आलिया, मुझे लगता है कि यही बात है।

आदि शंकराचार्य पर जल्द आएगी वेब सीरीज, गदर 2 के इस अभिनेता ने भी किया है काम

(आधुनि समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। भारतीय दार्शनिक और धर्मशास्त्री आदि शंकराचार्य पर जल्द ही एक वेब सीरीज आने वाली है। यह हिंदू धर्म की सबसे प्रभावशाली शख्सियत आदि शंकराचार्य पर बनी देश की पहली वेब सीरीज होगी। इसका निर्माण श्री श्री प्रकाशन ट्रस्ट और ओएनएम मल्टीमीडिया द्वारा

किया गया है। आदि शंकराचार्य पर बनी इस सीरीज के पहले सीजन में कुल 10 एपिसोड होंगे। पहले सीजन में आदि शंकराचार्य का शुरुआती जीवन देखने को मिलेगा, जब आठ साल की उम्र में वो सांसारिक विचारों को त्यागकर अपनी यात्रा शुरू करते हैं। इस सीरीज का निर्देशन ओंकार नाथ मिश्रा ने किया है और उन्होंने ही इसे लिखा भी है। इस सीरीज में अर्नव खानिजो, गगन मलिक, संदीप मोहन और योगेश महाजन समेत कई कलाकारों ने काम किया है। सीरीज को देश की कई मनमोहक जगहों पर शूट किया गया है। इसके बारे में बात करते हुए निर्देशक ओंकार नाथ मिश्रा ने कहा कि आतंकवाद, सांप्रदायिकता, जातिवाद, अवसरवाद और धार्मिक कट्टरता से पीडित दुनिया की समस्याओं का हल शंकर के दर्शन में हैं। इस सीरीज का मकसद युवाओं को ऐसे महानतम राष्ट्रीय नायक के साथ जोड़ना है, जिनकी विचारधारा वर्तमान में प्रासंगिक दर्शन है। ओंकार नाथ मिश्रा ने आगे कहा कि वो इस सीरीज के दूसरे सीजन को लेकर भी काफी उत्साहित हैं, जिसमें आदि शंकराचार्य के बाद के जीवन को दिखाया जाएगा। बता दें कि दूसरे सीजन 2 में मनीष वाधवा आदि शंकराचार्य के गुरु की भूमिका में नजर आएंगे। मनीष गदर 2 में भी काम कर चुके हैं। आदि शंकराचार्य 8वीं सदी के दार्शनिक थे। माना जाता है कि उनका जन्म केरल के कलाडी गांव में हुआ था। उन्होंने भगवद गीता, उपनिषदों और ब्रह्मसूत्र पर टिप्पणियों समेत कुल 116 कृतियां लिखी थीं।

राजकुमार राव ने लगाई अदनान सामी की बॉलीवुड वापसी पर रोक अपनी फिल्म से हटवाया गायक का गाना

(आधुनि समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। गायक अदनान सामी नौ साल के अंतराल के बाद बॉलीवुड में वापसी को लेकर सुर्खियों में बने हुए है। उन्होंने राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी की आगामी फिल्म 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' में एक गाने को अपनी आवाज दी थी। अब उन्हें लेकर हैरान कर देने वाली खबर सामने आई है। खबर है कि फिल्म से अदनान सामी की आवाज को हटा दिया गया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, राजकुमार ने निजी चिंताओं का हवाला देते हुए उन्हें पार्श्व गायक के रूप में बदलने के लिए दबाव डाला था, क्योंकि उनका खुद का लिप-सिंकिंग अदनान के मुखर भावों के साथ मेल नहीं खाएगा। रिपोर्ट्स के अनुसार, अदनान सामी को टी-सीरीज म्यूजिक लेबल और निर्देशक जोड़ी सचिन-जिगर ने नौ साल के अंतराल के बाद एक रोमांटिक गाने के लिए अपनी आवाज देने के लिए संपर्क किया था। गाने की धुन और भूषण कुमार के साथ अपने बेहद करीबी रिश्ते को देखते हुए अदनान सामी ने भी तुरंत सहमति जताई और एक शानदार प्रदर्शन दिया। हालांकि, राजकुमार राव ने पहले ही गाने के दृश्य फिल्माए थे और अस्थाई आवाज का उपयोग करके पिछले संस्करण पर लिप-सिंक किया था। अब उन्होंने फिल्म की टीम से अदनान सामी के प्रभावशाली स्वरों के साथ अपने भावों को मिलाने के बारे में अपनी असहमति जाहिर की। टीम के आश्वासन के बावजूद ने राजकुमार राव ने कथित तौर पर पार्श्व गायक को बदलने की मांग करते हुए अपना पैर पीछे खींच लिया।

हालांकि, राजकुमार की असहमति से पहले संगीत जोड़ी और लेबल द्वारा यह घोषणा की जा चुकी थी कि अदनान सामी ने गीत गाया है और इसलिए मीडिया ने इसे बहुत उत्साह के साथ कवर किया। इससे पहले अदनान सामी ने 'कसूर' और 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' के साथ बॉलीवुड में वापसी करने के अपने अनुभव को साझा किया था। उन्होंने कहा था कि यह कोई सोची-समझी चाल नहीं थी, बल्कि कुछ ऐसा था, जो हुआ। मुझे मुख्य रूप से खुद को ठीक करने, तरोताजा करने और कुछ नया सुनने के लिए थोड़ा समय चाहिए था। वास्तव में एहसास नहीं होता कि यह इतना लंबा अंतराल रहा है, क्योंकि समय बहुत तेजी से भागता है। ऐसा लगता है जैसे कल ही 'बजरंगी भाईजान' आई थी और मैंने 'भर दो झोली' गाया था। जब आप पीछे देखते हैं, तो आपको लगता है कि बहुत समय बीत गया है। मैं नए गाने को लेकर उत्साहित हूं।' राज शांडिल्य द्वारा निर्देशित विक्की विद्या का वो वाला वीडियो 1990 के दशक की कहानी पर आधारित है। इस फिल्म को शुद्ध मसाला एंटरटेनर के रूप में बताया जा है। फिल्म को राज शांडिल्य ने लिखा और निर्देशित किया है और संगीत सचिन और जिगर ने दिया है। यह पारिवारिक ड्रामा 11 अक्तूबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

इस दिन से 'एनटीआर 31' की शूटिंग शुरू करेंगे प्रशांत नील, जूनियर एनटीआर ने साझा किया फिल्म पर अपडेट

(आधुनि समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली।जूनियर एनटीआर और निर्देशक प्रशांत नील ने एक आगामी प्रोजेक्ट के लिए हाथ मिलाया है, जिसका नाम अस्थायी रूप से एनटीआर 31 रखा गया है। फिल्म की घोषणा के बाद से दोनों की जोड़ी

को स्क्रीन पर जादू करते देखने के लिए सोशल मीडिया पर हलचल मची हुई है। प्रोजेक्ट को लेकर उत्सुकता के बीच अब फिल्म को लेकर नई जानकारी सामने आई है। एनटीआर की पैन इंडियन एक्शन ड्रामा 'देवरा' अगले हफ्ते सिनेमाघरों में रिलीज होगी। कोरताला शिवा द्वारा निर्देशित इस बड़ी फिल्म को काफी बड़े बजट में बनाया गया है। जान्हवी कपूर और फैंस अली खान इसमें अहम भूमिका निभा रहे हैं। एनटीआर फिलहाल फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त हैं। अब हाल ही में जूनियर एनटीआर ने प्रशांत नील के साथ अपने प्रोजेक्ट के बारे में एक बड़ा खुलासा किया। फिल्म की शूटिंग के बारे में पूछे जाने पर एनटीआर ने कहा, 'नील 21 अक्टूबर से फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे। वह उन हिस्सों की शूटिंग शुरू करेंगे, जिनमें मैं शामिल नहीं हूं। वह 21 अक्तूबर से शुरू होकर करीब 40 दिनों तक काम करेंगे। मैं जनवरी 2025 में सेट पर शामिल हो जाऊंगा।' प्रशांत नील की फिल्म पूरी होने के बाद ही जूनियर एनटीआर 'देवरा 2' पर काम शुरू करेंगे। जूनियर एनटीआर और प्रशांत नील की इस परियोजना का नाम कथित तौर पर 'ड्रैगन' होगा। इस साल अगस्त में फिल्म को आधिकारिक तौर पर लॉन्च किया गया था और फिल्म की शूटिंग अक्तूबर 2024 में शुरू होने वाली है। कोराताला शिवा द्वारा निर्देशित 'देवरा' फिल्म 27 सितंबर को बड़े पर्दे पर आएगी। वहीं, एनटीआर 31 का निर्माण मैत्री मूवी मेकर्स और एनटीआर आर्ट्स दोनों मिलकर करेंगे। रवि बसरूर इस फिल्म के संगीतकार है।

प्रियंका चोपड़ा का बड़ा खुलासा, इस वजह से दिया था नमस्ते वाला पोज

(आधुनि समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। प्रियंका चोपड़ा हाल ही में, लंदन में अपने पति निक जोनास के संगीत कार्यक्रम में शामिल हुईं। खास बात है कि ये वही जगह थी, जहां प्रियंका ने 24 साल पहले मिस वर्ल्ड का खिताब जीता था। प्रियंका ने अपनी एक ताजा सोशल मीडिया पोस्ट में उस पल को याद करते हुए कुछ बातें साझा की है। प्रियंका चोपड़ा ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर कई तस्वीरें साझा की। इसके कैप्शन में उन्होंने बताया कि 24 साल पहले उन्हें इसी जगह पर मिस वर्ल्ड का ताज पहनाया गया था। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि उस दौरान इस जगह को मिलेनियम डोम कहा जाता था। उन्होंने लिखा कि वो अपने 18 साल के बचपन की उस याद को कभी नहीं भूल सकतीं। प्रियंका ने लिखा कि मैं उस वक्त बहुत उत्साहित थीं और साथ ही घबराई हुई भी थीं। मैं जितना अच्छा हो सकता था।

दीपिका पादुकोण के बाद ये अभिनेत्रियां बनने वाली हैं मां

(आधुनि समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह आठ सितंबर को अपने पहले बच्चे के माता-पिता बने। दोनों सितारों ने अपने घर एक प्यारी सी बच्ची का स्वागत किया। नन्हे मेहमान के आगमन पर सिनेमा जगत के कई दिग्गजों ने उन्हें शुभकामनाएं दी। दीपिका पादुकोण के अलावा कई अभिनेत्रियां अपने घर में नए मेहमान का स्वागत करने के लिए तैयार है। आइए जानते है वह कौन-कौन सी अदाकारा है, जो बच्चे को जन्म देने वाली है। टीवी अभिनेत्री दृष्टि धामी भी मां बनने वाली हैं। दृष्टि ने वर्ष 2015 में नीरज खेमका से शादी की। शादी के 9 साल बाद उन्होंने प्रेगनेंसी की खबर दी। रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेत्री अक्टूबर में अपने बच्चे को जन्म देंगी। साथ निभाना साथिया' की 'गोपी बहू' यानी अभिनेत्री देवोलीना भट्टाचार्जी के घर भी जल्द ही किलकारी गूंजने वाली है। हाल ही में उन्होंने अपनी पहली प्रेगनेंसी की घोषणा की। 15 अगस्त को देवोलीना ने एक पोस्ट करते हुए यह खुशखबरी प्रशंसकों के साथ साझा की थी।टीवी अभिनेत्री युविका चौधरी और प्रिंस नरूला भी जल्द ही माता-पिता बनने वाले हैं। दोनों ने साल 2018 में शादी की थी। शादी के छह साल बाद दोनों ने गुड न्यूज सोशल मीडिया पर साझा किया। यह खबर सुनते ही उनके प्रशंसक खुशी से झूम उठे थे।

सम्पादकीय

बया का घोंसला अद्भुत इंजीनियरिंग का उदाहरण

जब घोंसले निर्माण पूरा होता है, तब मादा उसे मान्यता देती है या छोड़ देती है और यह इस पर निर्भर करता है कि कितनी सुंदरता और मजबूती से घोंसला बनाया गया है। बया एक पोलीगेमी पक्षी है जिसका अर्थ है कि नर एक से ज्यादा मादा के साथ मेटिंग करता है जबकि मादा सिर्फ एक नर के साथ ही मेटिंग करती है। शिल्प कौशल, इंजीनियरिंग और वास्तुकला की मिसाल देते चिड़िया के घोंसले अक्सर नदी नहर के किनारे पेड़ों की शाखाओं

पर लटकते देखने को मिल जाते हैं। ये घोंसले बया पक्षी के होते हैं जो कि अपने घोंसले के निर्माण कौशल के लिए प्रसिद्ध है। यह पक्षी एक बल्बनुमा कक्ष जैसा घोंसला बनाते हैं, जो देखने में लालटेन जैसे लगते हैं जिन्हे घास, पत्तियों और टहनियों का उपयोग करके बनाया जाता है। ये घोंसले मजबूत होते हैं और पक्षियों और उनके अंडों को सुरक्षा प्रदान करते हैं। बया का घोंसला अद्भुत इंजीनियरिंग का उदाहरण है, इसके निर्माण के लिए, मरम्मती धागों का उपयोग करते हुए यह पक्षी घोसलों को डिज़ाइन करती है जो खुद को मजबूती से बांध लेता है। इस तरह के घोसलों ने बया वीवर को उनके इंजीनियरिंग कौशल के लिए मशहूर बना दिया है।ये घोसले नर पक्षी द्वारा बनाए जाते हैं जिसे वो मादा बया पक्षी को रिझाने और आकर्षित करने के लिए बनाते हैं। प्रजनन के मौसम के दौरान, नर बया मादाओं को आकर्षित करने की उम्मीद में, वे सावधानी से अपने घोंसले बुनते और सजाते हैं। जब घोंसले निर्माण पूरा होता है, तब मादा उसे मान्यता देती है या छोड़ देती है और यह इस पर निर्भर करता है कि कितनी सुंदरता और मजबूती से घोंसला बनाया गया है। बया एक पोलीगेमी पक्षी है जिसका अर्थ है कि नर एक से ज्यादा मादा के साथ मेटिंग करता है जबकि मादा सिर्फ एक नर के साथ ही मेटिंग करती है। कुशल वास्तुकारों की तरह बया भी विभिन्न आकृतियों और आकारों में अपने घोसलों का निर्माण करते हैं। कुछ घोंसले पेड़ की शाखाओं से लटकते हैं, जबकि अन्य लंबी घास के बीच बने होते हैं। यह एक सामाजिक पक्षी है और अक्सर कॉलोनियों में अपना घोंसला बनाते हैं। वे निर्माण प्रक्रिया में एक दूसरे की मदद करते हुए सद्भाव में एक साथ काम करते हैं। ये पक्षी अक्सर तीन साधनो को प्राथमिकता देते है जिनमे शामिल है खाना, पानी, और सुरक्षा। ये पक्षी किसानों के लिए बेहद फायदेमंद होते हैं क्योंकि वे कीड़ों और कीटों को खाते हैं, जिससे उनकी आबादी को स्वाभाविक रूप से नियंत्रित करने में मदद मिलती है। बया निवासी पक्षी है, जिसका अर्थ है कि वे लंबी दूरी तय नहीं करते हैं। वे आमतौर पर सालभर अपने पसंदीदा आवास में रहते है, और भारतीय जलवायु की गर्माहट का आनंद लेते हैं। बया पक्षी वास्तव में प्रकृति के कलाकार है, जो अपने शानदार घोंसलों के माध्यम से अपनी रचनात्मकता और कौशल का प्रदर्शन करते हैं। बया एक आदर्श प्राकृतिक निर्माता है जो अपने घोंसलों को सुंदरता और सुरक्षा से भर देती है। इसकी खूबसूरती और अनोखापन को देखकर हम सभी को प्रेरित होना चाहिए कि हम भी अपने कौशल और विचारशीलता का उपयोग करके अपने जीवन को सुंदर बनाएं।

दोस्ती के तकाजों के बीच खामेनेई के भारत पर आरोप के पीछे असल मंशा क्या

ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह खामेनेई ने पैगम्बर मोहम्मद के जन्म दिन पर आरोप लगाया कि भारत में मुस्लिम पीडित हैं। खामेनेई ने 16 सितंबर को एक्स पर पोस्ट करते हुए भारत को उन देशों में शामिल किया, जहां मुस्लिमों को पीड़ा झेलनी पड़ रही है। ईरान और भारत के बीच अच्छे रिश्तों के बाद भी ईरान पड़ रही है। इस पर भारतीय भारतीय विदेश मंत्रालय ने तत्काल कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हम खामेनेई के बयान की निंदा करते हैं। यह अस्वीकार्य और पूरी तरह से भ्रामक है।विदेश मंत्रालय ने कहा कि अल्पसंख्यकों के मामले पर कमेंट करने वाले देशों को पहले अपने रिकॉर्ड को देखना चाहिए। मंत्रालय के प्रवक्ता अप्रैल में अपने पहले पाकिस्तान दौरे पर गए थे तो दोनों देशों के साझा बयान में कश्मीर का जिक्र था। इस पर भारत ने ईरान के सामने आपत्ति जताई थी। इन सबके बावजूद भारत ने ईरान के साथ अपने व्यापारिक और कूटनीतिक रिश्तों में खामेनेई के बयानों और ईरान के रवैये को आड़े नहीं आने दिया और ईरान के में मुस्लिम कट्टरपंथ की तरफ झुका है। तीसरा है मलेशिया, जिसने सउदी अरब की मर्जी के खिलाफ जाकर मुस्लिम देशो को इकट्ठा करने की कोशिश की थी। अब इसमें ईरान का नाम भी शामिल हो गया है। इन चारो देशों में भी ईरान अकेला शिया बहुल देश है। पिछले दिनों चीन ने मध्यस्थता कर ईरान और सुन्नी बहुत आंदोलन का प्रतीक बनी महसा अमीनी की हत्या वहां की मॉरल पुलिस ने इसलिए भी की थी, क्योंकि वह कुर्द थी। कैम्ब्रिज से प्रकाशित पत्रिका 'मनारा' में हाल में ईरान में अल्पसंख्यक सुन्नियों के हालात पर पेमान असदजादे का आंखें खोलने वाला लेख छपा है। इसमें उन्होंने बताया है कि कैसे ईरान में सुनिन्यों उल-अदल तथा जैश-उल-अंसार तथा अल-फुरकान जैसी सुन्नी आतंकवादी सगंठन दक्षिणी ईरान में सक्रिय हैं। पिछले दिनो ईरान ने पाकिस्तान के बलूचिस्तान में जो एयर स्ट्राइक की थी, वह सुनने बलूची संगठनों के खिलाफ ही थी। यही हाल सुन्नी कुर्दों का भी है। ईरान सरकार उन्हें सख्ती से

के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह खामनेई द्वारा मुसलमानों को प्रताडित किए जाने वाले देशों की सूची में भारत का नाम लेना सभी के लिए चौकाने वाला है, वह भी तब कि जब ईरान पर अमेरिका द्वारा लगाए कठोर आर्थिक प्रतिबंधों की परवाह किए बगैर भारत ने ईरान से व्यापारिक रिश्ते न सिर्फ कायम रखे, बल्कि उन्हें मजबूती दी है ज्यादा हैरानी की बात है कि कथित मुस्लिम प्रताड़ना वाले देशों में उन्होंने उस चीन का नाम नहीं लिया है, जहां उइगुर मुसलमानों को नमाज पढ़ने और रोजे रखने तक की इजाजत नहीं है और जिनका बेखौफ चीनीकरण किया जा रहा है।तो क्या खामेनेई का भारत पर आरोप लगाना भारत के साथ अपने रिश्तों को बिगाड़ने की सोची समझी चाल है, भारत के साथ ईरान की एहसान फरामोशी है या फिर ऐसे बयान देकर खुद को दुनिया में मुसलमानों का एकमात्र मुसलमानों का नेता साबित करने की मंशा है गौरतलब है कि ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह खामेनेई ने पैगम्बर मोहम्मद के जन्म दिन पर आरोप लगाया कि भारत में मुस्लिम पीडित है। खामेनेई ने 16 सितंबर को एक्स पर पोस्ट करते हुए भारत को उन देशों में शामिल किया, जहां मुस्लिमों को पीड़ा झेलनी रणधीर जायसवाल ने बयान को 'एक्स' पर शेयर भी किया। इसके पूर्व एक कमेंट में खामेनेई ने लिखा था- दुनिया के मुस्लिमों को भारत, गाजा और म्यांमार में रह रहे मुस्लिमों की तकलीफ से अनजान नहीं रहना चाहिए। अगर आप उनकी पीड़ा को नहीं समझ सकते तो आप मुस्लिम नहीं हैं। खामेनेई ने आरोप लगाया कि इस्लाम के दुश्मन मुसुमानों में फूट डालते आए हैं।हालांकि, यह पहली बार नहीं है कि जब खामेनेई भारतीय मुसलमानों के खैरख्वाह बने हैं। खामेनेई ने 2020 के दिल्ली दंगों के बाद कहा था कि भारत में मुस्लिमों का नरसंहार हुआ है। भारत सरकार को कट्टर हिंदुओं के खिलाफ सख्त कदम उठाने चाहिए। सरकार को मुस्लिमों का नरसंहार बंद करना होगा, नहीं तो इस्लामी दुनिया उनका साथ छोड़ देगी। कश्मीर के मुद्दे पर भी खामेनेई कई बार विवादित बयान देते आए हैं। साल 2017 में खामेनेई ने कश्मीर की तुलना गाजा, यमन और बहरीन से की थी। हम कश्मीर में मुस्लिमों की स्थिति को लेकर चिंतित हैं। खामेनेई 1980 में जम्मू-कश्मीर का दौरा भी कर चुके हैं। कश्मीर मामले में ईरान का रवैया भारत विरोधी ही रहता आया है। इसी साल यानी 2024 में जब ईरान के तत्कालीन राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी साथ अपने ऐतिहासिक रिश्तों को ध्यान में रखते हुए आपसी सम्बन्ध बेहतर बनाने पर ही जोर दिया है जहां तक भारत में मुसलमानों की कथित प्रताड़ना की बात है तो यह धारणा तथ्यों से विपरीत है। स्थानीय कारणों से होने वाले विवाद अथवा राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता को देश के 24 करोड़ मुसलमानों की प्रताड़ना से जोड़ना एक सोची समझी और दुर्भावनापूर्ण रणनीति है। गाजा में जो इजराइल कर रहा है, या म्यानमार की सैनिक सरकार वहां रोहिंग्या मुसलमानों के साथ जो सलूक कर रही है, उसके कारण अलग है। वैसे भी फिलीस्तीन मामले में भारत दो राष्ट्र नीति का समर्थक रहा है। हम चाहते हैं कि फिलीस्तीन और इजराइल दोनो राष्ट्र रहें। इजराइल और ईरान के बीच कट्टर दुश्मनी है। इसका कारण इजराइल को अमेरिका का अंध समर्थन और ईरान की परमाणु शक्ति बनने की अदम्य इच्छा। इससे भी बड़ा कारण ईरान की इस्लामिक जगत का नया लीडर बनने की तमनन है। वैसे भी आज दुनिया के 57 मुस्लिम देशों का नेतृत्व करने और खुद को मुसलमानों का सबसे बड़ा हितैषी सिद्ध करने की चार देशों में होड़ मची है। ये है - सउदी अरब, जो खुद को मुसलमानों का स्वाभावित नेता मानता है। दूसरा है, तुर्की जो हाल के वर्षों सउदी अरब के बीच समझौता कराके दुनिया को चौंकाया था। हालांकि, इससे दोनो चिर प्रतिद्वंद्वी देशों के बीच रिश्ते बहुत मधुर हो गए हैं, ऐसा नहीं है। खामेनेई के बयान के पीछे भारत और सउदी अरब के मधुर रिश्ते भी कारण हो सकते हैं। खामेनेई का भारतीय अल्पसंख्यक मुस्लिमों के प्रति प्रेम सही भी हो सकता था, अगर खुद ईरान में अल्पसंख्यकों के साथ मानवीय व्यवहार होता। मुस्लिम भाईचारे के तमाम दावों के बाद जमीनी हकीकत यह है कि आज दुनिया में सर्वाधिक मारकाट मुस्लिम देशों और कट्टरपंथी मुस्लिम संगठनों के बीच ही हो रही है। स्टेटा रिसर्च डिपार्टमेंट के ताजा आंकड़ो के मुताबिक वर्ष 2021 से 2022 तक दुनिया भर में आतंकी घटनाओं में कुल 55 हजार 635 लोग मारे गए, जिनमें से अधिकांश मुसलमान ही थे। मरने वाले भी और मारने वाले भी हालांकि, इसमें गजा में मारे जाने वाले मुसलमानों की संख्या शामिल नहीं है। जहां हमास-इजराइल युद्ध में 50 हजार से ज्यादा मुसलमान मारे जा चुके हैं। खुद ईरान में अल्पसंख्यक सुन्नियों, बहाइयों, पारसियों और कुर्दों के साथ क्या व्यवहार होता है, यह दुनिया जानती है। बहाइयों को तो वहां कब्रिस्तान भी नसीब नहीं होते। ईरान में हिजाब विरोधी के साथ खुला भेदभाव किया जा रहा है। सुन्नी मुसलमान ईरान में करीब 10 फीसदी है और देश की सबसे बड़ी अल्पसंख्यक आबादी है। ये सुनने ज्यादातर लारेस्तान में रहते है और ईरानी, बलूच, कुर्द, तुर्कमान, अरब आदि में बंटे हुए हैं। केवल ईरान के तीन प्रांतों कुर्दिस्तान, सिस्तान और बलूचिस्तान में वो बहुसंख्यक है। ये वो इलाके है, जो विकास की दौड़ में बहुत पिछड़े है या जिनकी ईरान सरकार द्वारा जानबूझकर उपेक्षा की जाती रही है। यहां तक देश में शिया और सुन्नियों के बीच साक्षरता दर में बहुत फर्क है। सुनने इलाकों में शुद्ध पेयजल तक आसानी से उपलब्ध नहीं है। जहां तक राजनीतिक प्रतिनिधित्व की बात है कि ईरान सरकार में 1979 की इस्लामिक क्रांति के बाद सुनने मुसलमानों का प्रतिनिधित्व नहीं के बराबर है। ईरान में शियाओं का एक उप सम्प्रदाय बारह इमाम को मानना ही देश का आधिकारिक धर्म है हालांकि, सुन्नियों को उनका धर्म मानने की इजाजत है। सुन्नियों के दबाव के चलते हाल के कुछ वर्षों में उनका ईरान सरकार में प्रतिनिधित्व बढ़ाने की कोशिश जरूर की गई है। लेकिन सुनने से भेदभाव की भावना अब सुन्नी आतंकी संगठनों की हिंसक कार्रवाइयों में तब्दील होती जा रही है। वहां जैश-कुचलती रही है। इधर भारत में मोदी सरकार पर आरोप है कि उसके राज में देश में मुसलमानों को हाशिए पर डालने की कोशिश की जा रही है। इसमे आंशिक सच्चाई हो सकती है, लेकिन इसकी तुलना गजा, म्यानमार जैसे देशों से करना यही साबित करता है कि ईरानी सुप्रीम लीडर के लिए मुसलमान होने से ज्यादा महत्वपूर्ण कुछ नहीं है। गनीमत है कि अयातुल्लाह खामेनेई और ईरान के राष्ट्राध्यक्षों द्वारा यदा कदा दिए जाने वाले भारत विरोधी और मुस्लिम समर्थक बयानों के बावजूद दोनो देशों के कूटनीतिक व व्यापारिक रिश्तों पर कोई विपरीत असर नहीं पड़ा है। ईरान पर उसके परमाणु कार्यक्रम के कारण कड़े अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध है। इसके बाद भी भारतीय नेता ईरान का दौरा करते रहे है। हाल में दोनो देशों के बीच हुए एक अहम समझौते के तहत ईरान के चाबहार स्थित शाहित बहिश्ती बंदरगाह का संचालन अगले 10 साल के लिए भारत ही करेगा। जिसका लाभ अफगानिस्तान को भी होगा और जिसे पाकिस्तान के ग्वादर में चीन द्वारा विकसित किए जा रहे बंदरगाह का जवाब माना जा रहा है। भारत ईरान से मुख्य रूप से बड़े पैमाने पर कच्चे तेल का आयात करता है।

माँ का अर्थ

ब्रह्मप्रिया नम्रता कमलिनी विश्वगुरु

(आाधुनि समाचार नेटर्वक)

माँ का अर्थ सिर्फ प्यार और दुलार से देखा जाता है ,ममता और करुणा से फिर माँ जगदम्बा की पूजा क्यूँ. माँ काली की पूजा-अर्चना क्यूँ इनका तो अवतरण ही राक्षसों के संघार के लिए हुआ माँ का अर्थ तो निर्माण से है. वो प्रेम है ममता है दया करुणा भी करती है पर जब बात सृजन की आए तो वो जो उचित है वही करती है अपने ही सृजन किए का संघार भी करती है यही किया जगदम्बा ने यही किया काली ने दया भक्तों पर दानवों पर तो नहीं पर संसार मे माँ के स्वरूप को बड़ा गलत प्रचारित किया गया वैसे तो आज के कलयुगी बेटे ही माँ का संघार कर देते है.. आप अपने मूल रूप में आइये सृजनात्मक कार्य कीजिए सिर्फ अच्छा बनने के लिए नहीं अच्छा करने के लिए जीवन जिए अपनी संततियों का निर्माण अच्छे से जहां जैसी आवश्यकता सिर्फ भोजन कराना ही माँ का कर्तव्य नहीं भोजन पकाने को सिखाना भी माँ का कर्तव्य है ग़लतआदतों को दूर करने को सिखाना भी माँ का ही कर्तब्य है.. माँ ने सिखाना छोड़ दिया इस लिए आज बलात्कारी बढ़ गए..है तो वो भी किसी के बेटे ही. बेटियों पर पढ़ाई का दंभ इस तरह छाया की माताओं ने स्त्रियों का सदुण ही सिखाना छोड़ दिया सिर्फ किताबों में जीवन होता तो सब उच्च स्तरीय पद पर आसीन होते. सम्भालने की कोशिश कीजिए वरना हम अपने मूल्य को खो देंगे।

यह राजनीति नहीं बल्कि एकजुटता का समय

विगत् 40 दिनों में 18 ऐसी घटनाएं सामने आ चुकी है, जिनमें अलग-अलग राज्यों में रेलवे ट्रैक पर भारी वस्तु रखकर ट्रेनों को डिरेल करने की साजिश हुई। तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, राजस्थान से लेकर ओडिशा तक कई स्थानों पर रेल ट्रैक पर सिलेंडर, भारी सीमेंट स्लैब, लोहा आदि रखा मिला। 12 सितंबर को यानी की ठीक 187 वर्ष पहले साल 1837 में भारतीय रेल की नींव पड़ी थी। मद्रास (अब चेन्नेई) में भाप इंजन संचालित ट्रेन चली थी। हालांकि, पहली सवारी गाड़ी साल 1853 में बॉम्बे-ठाणे के बीच चली। तब से लेकर आज तक भारतीय रेल ने सैकड़ों गुणा तरक्की की है। आज भारतीय रेल देश की 'लाइफ लाइन' कही जाती है, जिसमें 22 हजार ट्रेनों में पौने तीन करोड़ से अधिक लोग रोजाना सफर करते हैं। भारतीय रेल देश को उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक जोड़ती है। भारतीयों का अटूट विश्वास अपने रेल नेटवर्क पर है, लेकिन इन दोनों भारतीय रेल अपने इतिहास के सबसे बड़े संकट से गुजर रही है। यह संकट तकनीकी नहीं, बल्कि एक साजिश है। कुछ असामाजिक या कहें आतंकी तत्व भारत की 'लाइफ लाइन' को डिरेल करने की खतरनाक साजिश रच रहे है। विगत् 40 दिनों में 18 ऐसी घटनाएं सामने आ चुकी हैं, जिनमें अलग-अलग राज्यों में रेलवे ट्रैक पर भारी वस्तु रखकर ट्रेनों को डिरेल करने की साजिश हुई। तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, राजस्थान से लेकर ओडिशा तक कई स्थानों पर रेल ट्रैक पर सिलेंडर, भारी सीमेंट स्लैब, लोहा आदि रखा मिला। ऐसी घटनाओं से यह आशंका और गहरी हो जाती है कि पिछले दिनों ट्रेनों के पटरियों से उतरने के पीछे तकनीकी कारण नहीं, बल्कि साजिश थी। देश में रेल नेटवर्क की बात करें तो 1,32,310 किलोमीटर

लंबा रेलवे ट्रैक भारत में बिछा है। यह भारत का दुनिया का चौथा सबसे बड़ा रेल नेटवर्क बनाता है। इतने विशाल रेल नेटवर्क की सुरक्षा के लिए अलग से फोर्स है, लेकिन एक-एक स्थान की चौकसी करना दुनिया के किसी भी देश के लिए संभव नहीं है। बीते कुछ वर्षों में भारतीय रेल ने बहुत तेजी से विकास की रफ्तार पकड़ी है। पिछले 10 वर्षों में 31,000 किलोमीटर का नया ट्रैक बिछाया गया है। केंद्र सरकार के अनुसार वर्तमान में 4 किलोमीटर प्रतिदिन का ट्रैक देश में बिछाया जा रहा है। रेलवे का विद्युतीकरण बहुत तेजी से हो रहा है। 95 प्रतिशत ब्रॉड गेज रूट्स का विद्युतीकरण कर दिया गया है। देश की अर्थव्यवस्था को आगे ले जाने में भारतीय रेल की अहम भूमिका है। जब भारतीय रेल इस तेजी से विकास कर रही है तो वो कौन से तत्व हैजो इस पर गिद्ध निगाह गड़ाए हुए हैं। कुछ विदेशी एजेंसियों और आतंकी संगठनों की भूमिका भी संदेह के घेरे में है। अपने मंसूबों को पूरा करने के लिए यह असामाजिक और आतंकी तत्व आम भारतीयों की जिंदगी से खिलवाड़ कर रहे हैं। आए दिन ऐसी घटनाएं होंगी तो जनता के मन में भय आना स्वाभाविक है। हालांकि, सरकार अब पहले से ज्यादा सतर्कता बरत रही है। ट्रेनों को बेपटरी करने की घटनाओं को रोकने के लिए रेलवे ने एआई संचालित 75 लाख सीसीटीवी कैमरे लगाने का निर्णय लिया है। ये सीसीटीवी कैमरे कोच के अलावा लोको पायलट को सतर्क करने के लिए लोकोमोटिव (इंजन) में भी लगाए जाएंगे, जो पटरी पर संदिग्ध वस्तुओं का पता लगाकर ड्राइवर को आपातकालीन ब्रेक लगाने के लिए सचेत करेंगे। कुल मिलाकर रेलवे 40,000 कोच, 14000 लोकोमोटिव और 6000 ईएमयू को एआई संचालित सीसीटीवी कैमरों से लैस करने की योजना बना रही है। निश्चित रूप से यह केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है कि वो ट्रेनों को डिरेल करने की साजिश करने वाले आतंकी तत्वों को चिन्हित कर कड़ी सजा दे। हालांकि, इतने बड़े नेटवर्क पर हर एक स्थान पर नजर बनाए रखना सरकार या सुरक्षा एजेंसी के लिए संभव नहीं है। यहां जिम्मेदारी समाज की भी है। रेलवे ट्रैक के आसपास रहे लोगों का दायित्व है कि वो ऐसे तत्वों को लेकर सतर्क रहें। अपने बीच ऐसे तत्वों को पहचानें, जो देश की संपत्ति और लोगों को नुकसान पहुंचाना चाहते हैं। ऐसे संकट के समय में राजनीतिक दलों को भी एकजुटता दिखाने की आवश्यकता है। राजनीति से ऊपर उठकर सोचने की जरूरत है। तकनीकी कारणों से दुर्घटनाओं पर सरकार की आलोचना सही है, लेकिन जानबूझकर ट्रेनों को डिरेल करने की साजिश पर विपक्ष का मौन सही नहीं है। आखिर भारतीय रेल किसी सरकार या पार्टी विशेष की न होकर देश की आन-बान-शान है। राष्ट्रीय धरोहर है।

स्पोर्ट्स

तेज गेंदबाजों की मददगार चेन्नई पिच को लेकर यशस्वी ने रखी राय, अपनी पारी पर दिया ये बयान

(आधुनि समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। भारत ने यशस्वी के अर्धशतक के अलावा ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन के शतक और ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा (नाबाद 86) के साथ सातवें विकेट के लिए हुई 195 रनों की साझेदारी के दम पर खुद को मुश्किल से उबारा। पहले दिन का खेल समाप्त होने तक भारत ने छह विकेट खोकर 339 रन बना लिए है। भारतीय बल्लेबाजों को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम की पिच पर बांग्लादेश के तेज गेंदबाजों का सामना करने में दिक्कत हुई। चेनन्ई की पिच आमतौर पर स्पिनरों के मददगार वाली मानी जाती है, लेकिन पहले टेस्ट में इस पिच पर तेज गेंदबाजों को मदद मिलती दिखी। इसी के कारण भारत ने भी तीन तेज गेंदबाजों के साथ उतरने का फैसला किया। बांग्लादेश के तेज गेंदबाज हसन महमूद ने भारतीय शीर्ष क्रम पर खासा परेशान किया, लेकिन सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल अर्धशतक जड़ने में सफल रहे। यशस्वी ने कहा कि उन्हें चेनन्ई की पिच को लेकर कोई शिकायत नहीं है और उनके लिए मध्य ओवरों में समय बिताने का यह अवसर था। यशस्वी ने कहा कि उन्हें इससे सीख मिलेगी। यशस्वी ने कहा, इन परिस्थितियों में खेलना शानदार था। इससे मैं मजबूत बनूंगा और मैं इससे सीखूंगा कि इन सभी परिस्थितियों में कैसे खेलना है और अपनी पारी की योजना कैसे बनानी है। मैं टीम की जरूरत के हिसाब से बल्लेबाजी करने की कोशिश करता हूं और उसी के हिसाब से अपने खेल में बदलाव करता रहता हूं। अगर शुरुआत में विकेट गिर जाएं तो मैं कैसे बल्लेबाजी कर सकता हूं? जब रन बन रहे हों तो मैं कैसे बल्लेबाजी कर सकता हूं यशस्वी ने कहा कि वह और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत रन बनाने के लिए ढीली गेंदों का इंतजार कर रहे थे क्योंकि उस समय बांग्लादेश के गेंदबाजों का पलड़ा भारी था। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि शुरुआत में विकेट से थोड़ी मदद मिल रही थी और अगर आप मौसम को देखें तो थोड़े बादल छाए हुए थे लेकिन हम सुरक्षित खेलकर उस दौर से गुजरने की कोशिश कर रहे थे। यशस्वी ने बांग्लादेश के गेंदबाजों को श्रेय दिया, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि भारतीय टीम सुखद स्थिति में पहुंचने में सफल रही है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि शुरू में गेंद थोड़ी मूव कर रही थी और थोड़ी सीम कर रही थी और कम उछाल था इसलिए हमने अपना समय लिया। लेकिन अगर आप आखिरी सत्र को देखें तो हमने काफी अच्छा स्कोर किया और मुझे लगता है कि हम इस समय अच्छी स्थिति में हैं। भारत ने यशस्वी के अर्धशतक के अलावा ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन के शतक और ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा (नाबाद 86) के साथ सातवें विकेट के लिए हुई 195 रनों की साझेदारी के दम पर खुद को मुश्किल से उबारा। पहले दिन का खेल समाप्त होने तक भारत ने छह विकेट खोकर 339 रन बना लिए हैं।

गंभीर अपने खिलाडियों के बचाव में कार्तिक ने मुख्य कोच की आक्रमकता को लेकर दिया बड़ा बयान

(आधुनि समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। कार्तिक ने कहा कि बांग्लादेश के खिलाफ गुरुवार से शुरू हो रही टेस्ट सीरीज से पहले टेस्ट क्रिकेट में कोचिंग का अनुभव नहीं होना गंभीर के दिमाग में होगा। गंभीर राहुल द्रविड़ की जगह भारतीय टीम

के मुख्य कोच बने थे। भारतीय टीम मुख्य कोच गौतम गंभीर के नेतृत्व में बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज में चुनौती पेश करने के लिए तैयार है। गंभीर की कोचिंग शैली को लेकर कई तरह की चर्चा चलती है और अब टीम के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज निदेश कार्तिक ने भी इस बारे में राय रखी है। कार्तिक ने मंगलवार को कहा कि गंभीर अतीत में अपने खिलाडियों के बचाव के लिए ही आक्रामक होते नजर आए हैं। कार्तिक ने कहा कि गंभीर की आक्रामकता कभी भी गैर जरूरी नहीं थी। उन्होंने एक कार्यक्रम से इतर कहा, गंभीर अपने खिलाडियों के बचाव के लिए ही आक्रामक होता रहा है। मौजूदा दौर के खिलाड़ी इसका आनंद उठाएंगे। वह बिना वजह क्रोधित नहीं होता। मुझे यकीन है कि जब भी जरूरत होगी, वह सख्ती से पेश आएगा। ऐसा खिलाडियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कराने के लिए ही होगा। कार्तिक ने यह भी कहा कि बांग्लादेश के खिलाफ गुरुवार से शुरू हो रही टेस्ट सीरीज से पहले टेस्ट क्रिकेट में कोचिंग का अनुभव नहीं होना गंभीर के दिमाग में होगा। उन्होंने कहा, गंभीर ने कई टी20 टूर्नामेंटों में कोचिंग की है, लेकिन बतौर कोच यह टेस्ट सीरीज उसके लिए नई होगी और यह उसके दिमाग में जरूर होगा। वह खेल की नब्ज समझता है जो एक कोच के लिए सबसे महत्वपूर्ण है कार्तिक से पहले कप्तान रोहित शर्मा ने गंभीर और पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ की कोचिंग शैली को लेकर बयान दिया था। रोहित ने टेस्ट मुकाबले से पहले मीडिया को संबोधित करते हुए कहा था, जाहिर है।

इस बल्लेबाज को भारत का टी20 कप्तान बनते देखना चाहते हैं रैना आईपीएल रिटेंशन पर भी रखी राय

(आधुनि समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। रैना ने टी20 कप्तान पद के लिए शुभमन गिल का नाम लिया है जो फिलहाल उपकप्तान की भूमिका निभा रहे है। रैना का मानना है कि गिल का प्रभावी प्रदर्शन और

लीडरशीप कौशल उन्हें इस पद के लिए उपयुक्त बनाता है। भारत ने रोहित शर्मा के टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास लेने के बाद भले ही सूर्यकुमार यादव को खेल के सबसे छोटे प्रारूप की कमान सौंपी थी, लेकिन भारतीय टीम के पूर्व ऑलराउंडर सुरेश रैना की राय इससे अलग है। रैना ने टी20 कप्तान पद के लिए शुभमन गिल का नाम लिया है जो फिलहाल उपकप्तान की भूमिका निभा रहे है। रैना का मानना है कि गिल का प्रभावी प्रदर्शन और लीडरशीप कौशल उन्हें इस पद के लिए उपयुक्त बनाता है। रैना ने कहा, गिल सुपरस्टार है और उपकप्तान हैं। इसका मतलब है कि कोई उनके बारे में सोच रहा है। अगर वह आईपीएल में अच्छा करते हैं और टीम को ट्रॉफी दिलाते हैं तो भविष्य में कप्तान हो सकते हैं। गिल भारत के अलग सुपरस्टार है।रैना इसके साथ ही ऋषभ पंत के दो साल बाद टेस्ट क्रिकेट में वापस लौटने को लेकर उत्सुक हैं। उन्होंने कहा, पंत काफी अच्छे है और उन्होंने दलीप ट्रॉफी में अर्धशतक जड़ा है। वह विकेटकीपिंग का जिम्मा भी संभाल रहे हैं। जब आप टेस्ट क्रिकेट की बात करते हैं तो आपको सत्र के हिसाब से खेलना होता है। बांग्लादेश ने पाकिस्तान में अच्छा प्रदर्शन किया और उनके पास अच्छे स्पिनर हैं। यह देखना दिलचस्प होगा कि भारतीय बल्लेबाज उनके खिलाफ कैसा प्रदर्शन करते हैं।

भारतीय टीम ने मनाया अनुभवी स्पिनर रविचंद्रन अश्विन का जन्मदिन

(आधुनि समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत और कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव ने इंस्टाग्राम पर अश्विन के जन्मदिन

रविचंद्रन अश्विन का जन्मदिन मनाया। भारतीय टीम ने ड्रेसिंग रूम में अश्विन का केक काटा और अश्विन के चेहरे पर भी लगाया। भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत और कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव ने इंस्टाग्राम पर अश्विन के जन्मदिन मनाने की स्टोरी लगाई। पूरी टीम ने अश्विन को जन्मदिन की बधाई दी और अश्विन ने केक काटा। पंत ने जो तस्वीर साझा की है उसे देखकर लग रहा है कि वह अश्विन के चेहरे पर केक लगा रहे हैं। अश्विन और पंत 2018 से भारतीय ड्रेसिंग रूम साझा कर रहे हैं और दोनों की बॉन्डिंग काफी अच्छी है। भारतीय टीम के मौजूदा और पूर्व खिलाडियों ने अश्विन को उनके 38वें जन्मदिन के अवसर पर बधाई दी। अश्विन को बधाई देने वालों में सुरेश रैना, बद्रीनाथ, चेतेश्वर पुजारा, शिखर धवन, युजवेंद्र चहल, उमेश यादव, केएल राहुल और अन्य खिलाड़ी शामिल थे। अश्विन पिछले करीब एक दशक से अधिक समय से भारतीय टीम का महत्वपूर्ण हिस्सा रहे है और अब वह घरेलू मैदान पर बांग्लादेश के खिलाफ जलवा बिखेरने के लिए तैयार है। मैच से पहले हालांकि टीम के खिलाडियों ने अनुभवी ऑफ स्पिनर

टेस्ट में नया रिकॉर्ड बना सकते हैं कोहली, 152 रन बनाते ही हो जाएंगे सचिन-द्रविड़ के क्लब में शामिल

(आधुनि समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। इस सीरीज में कोहली कई रिकॉर्ड्स अपने नाम कर सकते हैं। हम यहां आपको उन रिकॉर्ड्स के विषय में बताएंगे जिन पर दिग्गज बल्लेबाज की नजर रहेगी। आइये

जानते हैं भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली टेस्ट टीम में वापसी के लिए तैयार हैं। दक्षिण अफ्रीका दौरे के बाद इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई पांच मैचों की टेस्ट सीरीज से वह निजी कारणों के चलते बाहर हो गए थे। अब वह लय में वापसी के लिए जमकर पसीना बहा रहे है। बांग्लादेश के खिलाफ 19 सितंबर से शुरू हो रही दो मैचों की टेस्ट सीरीज किंग कोहली के लिए काफी अहम हैं। इस सीरीज में वह कई रिकॉर्ड्स अपने नाम कर सकते हैं। पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली के नाम 113 टेस्ट मुकाबलों में 8848 रन दर्ज हैं। आगामी सीरीज में उनके पास 9000 रन पूरे करने का सुनहरा मौका है। अब तक सिर्फ तीन भारतीय बल्लेबाजों ने यह कारनामा किया है। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर भले ही टेस्ट में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज है, लेकिन पूर्व सलामी बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने टेस्ट क्रिकेट में दिग्गज से पहले नौ हजार रनों का आंकड़ा छू लिया था। वहीं, सचिन इस मामले में दूसरे स्थान पर हैं। इसके अलावा पूर्व भारतीय कप्तान राहुल द्रविड़ इस मामले में तीसरे स्थान पर हैं।

दो खेमों में बटी भारतीय टीम, विराट कोहली की सेना ने मारी बाजी

(आधुनि समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। बांग्लादेश के खिलाफ 19 सितंबर से शुरू होने वाली दो मैचों

की टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम जमकर पसीना बहा रही है। नए मुख्य कोच गौतम गंभीर और गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल की निगरानी में भारतीय खिलाडियों को तैयार किया जा रहा है। वहीं, बल्लेबाजी और गेंदबाजी के अलावा फील्डिंग पर भी मैनेजमेंट खास ध्यान दे रहा है। सोमवार को फील्डिंग कोच टी दिलीप के नेतृत्व में भारतीय टीम को दो खेमों में बाटां गया और उनके बीच एक खास प्रतियोगिता कराई गई। दिलचस्प बात यह है कि विराट कोहली की टीम ने इसमें बाजी मारी। भारत और बांग्लादेश के बीच गुरुवार को पहला टेस्ट मुकाबला चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेला जाएगा। दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिलेगी। भारतीय टीम लगभग छह महीने बाद टेस्ट मुकाबला खेलने के लिए उतरेगी जबकि मेहमानों ने हाल ही में पाकिस्तान को दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 0-2 से हराया था। ऐसे में उनके हौसले बुलंद है। वहीं, भारतीय खिलाड़ी भी इस मुकाबले से पहले लय में आने की पुरजोर कोशिश में जुटे हुए हैं। सोमवार को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की तरफ से जारी की गई एक वीडियो में फील्डिंग कोच टी दिलीप ने बताया कि भारतीय टीम को फील्डिंग का भी अभ्यास कराया जा रहा है। इसके लिए टीम को दो खेमों में बाटां गया, जिसमें किंग कोहली की टीम ने बाजी मारी। टी दिलीप ने कहा- आज पूरा विचार सभी को एक टीम के रूप में एक साथ लाने का था। जहां हमने दो खंड किए - चेन्नेई में नमी को ध्यान में रखते हुए, ड्रिल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसलिए टीम को दो समूहों में विभाजित किया गया। इसके अलावा कैचिंग की प्रतियोगिता हुई। जिस टीम में कम त्रुटियां थीं, वह जीत गई। आज विराट की टीम ने जीत हासिल की है। इस दौरान विराट कोहली और रवींद्र जडेजा को डाइव मारते देखता गया। वहीं, यशस्वी जायसवाल भी शानदार अंदाज में दिखे। प्रशिक्षण के दौरान टी दिलीप की सहातया के लिए अभिषेक नायर मौजूद रहे। टी दिलीप ने आगे कहा- कुल मिलाकर मैं यही कहूंगा कि यह शानदार था, खास तौर पर गर्म परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए। इस समूह का सबसे अच्छा हिस्सा यह था कि सभी सत्रों के दौरान तीव्रता बहुत बढिया थी। भारत और बांग्लादेश के बीच अब तक 13 टेस्ट मैच खेले गए हैं। इनमें 11 मैचों में भारतीय टीम ने जीत दर्ज की है जबकि दो मुकाबले ड्रॉ रहे हैं। 2022 के आखिरी में भारतीय टीम ने बांग्लादेश का दौरा किया था। इस दौरान दो मैचों की टेस्ट सीरीज के आखिरी मुकाबले में भारत को कड़ी टक्कर दी थी। चौथी पारी में 145 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत 74/7 के स्कोर पर मुश्किल में था, तभी रविचंद्रन अश्विन (42) और श्रेयस अय्यर (29) ने 71 रनों की मैच विजयी साझेदारी कर टीम को चार विकेट से जीत दिलाकर सीरीज 2-0 से अपने नाम कर ली थी। पिछली बार भारत पर अपनी पहली जीत दर्ज करने में विफल रहने के बाद बांग्लादेश की टीम इस बार इतिहास बदलने के लिए उत्सुक होगी।

राशिफल

मेष-:स्वास्थ्य संबंधी समस्या निकट है, इसलिए नियमित व्यायाम को दिनचर्या में शामिल करें और विश्वास करें कि इलाज से पहले सावधानी बरतना बेहतर है।

वृष- सप्ताह आपके लिए मंगलमय रहेगा। आपके रचनात्मक कार्यों में नाम होगा और आपको प्रसिद्धि भी मिलेगी। आप अपने मन के अनुसार निर्णय लेंगे।

मिथुन-: भावनात्मक रहेगा. आप खुद को अपनी अंतरतम भावनाओं और विचारों को व्यक्त करने की स्थिति में भी पा सकते हैं। घरेलू काम थकाने वाले होंगे।

कर्क-:जीवनसाथी का प्यारा व्यवहार आपका दिन खुशनुमा बना सकता है. अपने ख़र्चों पर नियंत्रण रखें से ख़र्च करने से बचें। भावनात्मक रूप से जोखिम उठाना आपके पक्ष में जाएगा।

सिंह-: आप जिस काम को पूरा करना चाहते हैं वह आसानी से पूरा हो जाएगा. किसी महत्वपूर्ण कार्य के पूर्ण होने पर बधाई देने के लिए लोगों का आना-जाना रहेगा।

कन्या-: आप सभी परेशानियों और चिंताओं को पीछे छोड़कर अपने परिवार के साथ कुछ समय बिताना चाहेंगे आपका जाता हुआ दिखाई देगा जिसके बारे में आपने सोचा भी नहीं होगा।

तुला-:किसी मित्र की उदासीनता आपको परेशान करेगी. लेकिन अपने आप को शांत रखें। इसे समस्या न बनने दें और इससे बचने की कोशिश करें।

वृश्चिक-: भाग्य आपका पूरा साथ देगा। जिन चीजों के लिए आप लंबे समय से प्रयास कर रहे थे, वो पूरी होने वाली हैं। जो प्रयास आपने अपनी ओर से व्यर्थ समझे थे।

धनु-: भौतिक सुख-सुविधाओं की ओर रुझान बढ़ेगा. जीवनसाथी के साथ वैचारिक मतभेद रहेंगे। आत्मबल में वृद्धि होगी। पारिवारिक समस्याओं से विचलित हो सकता है।

मकर-:खुद पर हद से ज्यादा दबाव न डालें और पर्याप्त आराम करें. रियल एस्टेट से जुड़े निवेश आपको अच्छा मुनाफा देंगे। आपका अडियल रवैया घर में लोगों का दिल दुखा सकता है।

कुंभ-: आपका झुकाव अध्यात्म की ओर रहेगा, मंदिर जाने या कोई धार्मिक कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बना सकते हैं. आज आपको खुशी पाने के लिए अपने स्वभाव में थोड़ा लाने की जरूरत है।

मीन-: आपको कार्यक्षेत्र में सुख-समृद्धि की प्राप्ति होगी. परिवार और जीवन साथी का सहयोग मिलने की संभावना है। हालांकि छात्रों को अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए थोड़ी अधिक मेहनत करनी पड़

भारत को गंभीर के अनुभव का फायदा मिलेगा', राहुल द्रविड़ ने भारतीय मुख्य कोच को जमकर सराहा

(आधुनि समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। द्रविड़ के कार्यकाल में भारत विश्व विजेता बना था। टीम 2021-2023 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्लूयूटीसी) की उपविजेता रही, जबकि पिछले साल भारत में खेले गए वनडे विश्व कप के भी फाइनल में पहुंचने में सफल रही थी भारतीय टीम के पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने उम्मीद जताई है कि टीम इंडिया को गौतम गंभीर के खिलाड़ी और कोचिंग अनुभव का काफी फायदा मिलेगा। द्रविड़ को नवंबर 2021 में भारत का कोच बनाया गया था, लेकिन टी20 विश्व कप की खिताबी जीत के बाद उन्होंने कार्यकाल आगे बढ़ाने से इनकार कर दिया था जिसके बाद गंभीर को टीम के कोच पद की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। द्रविड़ के कार्यकाल में भारत विश्व विजेता बना था। टीम 2021-2023 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्लूयूटीसी) की उपविजेता रही, जबकि पिछले साल भारत में खेले गए वनडे विश्व कप के भी फाइनल में पहुंचने में सफल रही थी। इसके बाद भारत ने जून-जुलाई में अमेरिका और वेस्टइंडीज में खेले गए टी20 विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका को हराकर खिताब जीता था और आईसीसी खिताब जीतने का 11 साल का सूखा समाप्त किया था। द्रविड़ ने एक कार्यक्रम के इतर कहा, मुझे लगता है कि गंभीर के पास एक खिलाड़ी के तौर पर काफी अनुभव है। उन्होंने भारत के लिए काफी मैच खेले हैं। उन्होंने कोचिंग भी की है। किसी भी स्थिति में वह अपने अनुभव और जानकारी का इस्तेमाल कर सकते हैं। मुझे यकीन है कि गंभीर इस टीम के साथ जैसे आगे बढ़ेंगे इससे भारतीय टीम को फायदा मिलेगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने जुलाई में गंभीर को कोच बनाने की घोषणा की थी। इससे पहले, गंभीर आईपीएल 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के साथ मेंटर के तौर पर जुड़े थे और टीम खिताब जीतने में सफल रही थी। केकेआर का 2014 के बाद यह पहला आईपीएल खिताब था। भारतीय टीम की जिम्मेदारी से मुक्त होने के बाद द्रविड़ एक बार फिर आईपीएल टीम राजस्थान रॉयल्स के साथ जुड़े हैं। राजस्थान ने हाल ही में द्रविड़ को आईपीएल के अगले सीजन के लिए टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया था। द्रविड़ इससे पहले राजस्थान के साथ 2011 से 2015 तक पांच सीजन बिता चुके है। द्रविड़ भारतीय टीम के कोच बनने से पहले राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) और भारतीय अंडर-19 टीम में भी जिम्मेदारी निभा चुके है।

ADHUNIK TUTORIALS
" FOR THE STUDENTS, FROM A STUDENT "
FOR CLASSES 1st 5th
(ADMISSION OPEN)
FACILITIES
- Air Conditioned & Well Furnished Classroom
- Water Cooler Available
- Hygienic Washrooms
- CCTV for Safety Purposes
- In Campus Parking

Dr. (Er)PuneetArora (HON. DIRECTOR)
(B.Tech, M. Tech, MBA , Ph.D)
Awarded with ' Young Scientist & Best Teachers, Author of Many Books Chapters, Research Paper, Patent & Trademarks

Ms.Nilanjana Arora (Assistant Director)
- Ex. Student of Bethany Convent School, Bishop Johnson School & College, Girl's High School & College
- Pursuing B.Tech
- Awarded by TCS
- Certification in the Field of Web Development and Machine Learning .

Ms. Riya Arora (Counsellor)
- Ex. Student of Delhi Public School.
- Subject Topper of Delhi Public School
- Pursuing LLB from University of Allahabad .

Address: B-Block, ADA Colony, Mtek Campus, Naini, Prayagraj .
Contact :- Call and Whatsapp: 8542919234

DURGAWATI INTERNATIONAL
School & College Meja, Prayagraj
(AFFILIATED TO NEW DELHI I.C.S.E. (AFFILIATION No. UP 481)
Good News Good News

THE STUDENTS SCORING ABOVE 95% IN THE ENTRANCE EXAM ARE AWARDED WITH THE CONCESSION IN THE ENTIRE TUITION FEES OF THE WHOLE YEAR 2024-25 HURRY UP!!

HOSTEL FACILITY
- AC hostel facilities are available for the boys from class 3rd onwards.
- Quality food
- Personal care
- 24/7 power backup
- Special tuition classes for hostelers
- Free health checkup per month.
- Infirmary faciliti is also available
- Well equipped laboratories and digital Library

पहले 50 छात्रों के प्रवेश शुल्क पर 100% की छूट

Admissions OPEN

PG to IX, XI
(AFFILIATED TO NEW DELHI ICSE (AFFILIATION No. UP 481)

SCHOOL FACILITIES
- Affordable fee & High-tech infrastructure.
- Spacious and colorful classrooms.
- Trained teachers from Kerala & Prayagraj.
- Free personality development.
- English spoken classes for each student.
- RO water and CCTV facilities.
- Pick and drop facilities with full safety.
- Trained PE Teacher along with
- Spacious playground

Manager
Dr. (Smt.) Swatantra Mishra
(Psychologist)

Email : www.disaldd@gmail.com Durgawati International School
Call For Any Enquiry 7505561664
Contact No.: 7081152877, 7652002511, 9415017879

पीएम मोदी सेवा सप्ताह पखवाड़ा में हुआ साफ सफाई

(आधुनि समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। पीएम मोदी सेवा सप्ताह पखवाड़ा के अंतर्गत बुधवार को उरमौरा स्थित शिव मंदिर परिसर में चलाया गया स्वच्छता अभियान । वहीं सदर ब्लॉक प्रमुख अजीत रावत भाजपा जिला महामंत्री कृष्ण मुरारी गुप्ता के नेतृत्व में स्वच्छता अभियान चलाते हुए पीएम मोदी के संकल्प का दिया गया संदेश इस दौरान सदर ब्लाक प्रमुख अजीत रावत ने बताया कि अंतर्गत 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलाया जाएगा उसी क्रम में उरमोरा स्थित शिव मंदिर परिसर में साफ सफाई अभियान चलाया गया श्री रावत ने बताया कि प्रधानमंत्री द्वारा लिए गए संकल्प को भाजपा कार्यकर्ता पूर्ण करने के लिए कार्य कर रहे हैं सेवा सप्ताह पकवाड़ा के अंतर्गत विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे ।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक डा. दीपक अरोरा द्वारा श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजर्स प्रा.लि. 1-मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं एम2ए/25एडीए कालोनी नैनी प्रयागराज 211008 (उ.प्र.) से प्रकाशित
सम्पादकः-डा. दीपक अरोरा
मो0न0 09415608783
RNI No. UPHIN/2012/41154
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।